प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 15 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 14 जनवरी 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

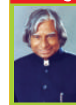

आप अपना भविष्य नही बदल सकते, लेकिन आप अपनी आदतें बदल सकते है और यकीनन यह आदतें आपका जीवन बदल देंगी।

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम

प्रदेश को मिले 5 लाख 6 हजार डोज, 16 जनवरी से लगेगा टीका

2 से 8 डिग्री पर रहेगा कोविड डोज

भोपाल एजेंसी। आखिर कोरोना से राहत के लिए बुधवार की सुबह प्रदेश के लिए बड़ी खुशी लेकर आई, कोरोना की वैक्सीन राज्यों में पहुंचने लगी है। प्रदेश में सबसे पहले भोपाल में सुबह सवा 11 बजे मुंबई से एयर कार्गो से स्टेट हैंगर पर वैक्सीन पहुंची। पुलिस की सुरक्षा में एयरपोर्ट से भोपाल में किलोल पार्क स्थित क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक के दफ्तर में करीब आधे घंटे में वैक्सीन को लाया गया। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि, भोपाल समेत आठ जिलों में यहां से वैक्सीन भेजी गई, इनमें हरदा, होशंगाबाद, बैतूल, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, रायसेन, और भोपाल शामिल हैं। दूर के जिलों को पहले वैक्सीन भेजी गई है। प्रदेश भर को वैक्सीन के 5 लाख 6 हजार 500 डोज मिले हैं।

अधिकारियों ने बताया कि, भोपाल को कोविशील्ड वैक्सीन मिली है। इसे 2 से 8 डिग्री तापमान के बीच स्टोर किया जाएगा। कोल्ड बॉक्स में इतने ही तापमान में दूसरे जिलों को भेजी जाएगी। एक वायल से 10 लोगों को टीका लगाया जा सकेगा।

कहां कितने डोज आएंगे

भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में वैक्सीन भेजी गई और यहां से आसपास के जिलों में वैक्सीन भेजी गई। इंदौर में शाम को वैक्सीन पहुंच, इंदौर व आसपास के 13 जिलों के लिए 1 लाख 52 हजार डोज पहुंचे। इसी तरह से ग्वालियर में 1 लाख 9 हजार 5 सौ डोज 13 जिलों के लिए आए। जबलपुर में 15 जिलों के लिए 1 लाख 51 हजार डोज पहुंचे। इस तरह प्रदेश भर को प्रथम खेप में कुल 5 लाख 6 हजार 5 सौ डोज मिले।

बर्ड फ्लू को लेकर प्रशासन ने कंट्रोल रूम किया स्थापित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ. एमएल परमार ने बताया, बर्ड फ्लू के मद्देनजर जिला एवं विकासखंड स्तरीय रेपीड रिस्पोन्स टीम बनाई गई है, जिले मे मृत पक्षियो की असामयिक मृत्यु होने पर जिला स्तर कंट्रोल रूम एवं विकासखंड स्तर कंट्रोल रूम पर तुरंत सूचना दी जा सकती है। उन्होंने बताया, जिला कंट्रोल रूम डॉ. जीएस सोलंकी 8085661788, डॉ. केके डामोर 9754412557, विकासखंड अलीराजपुर डॉ. जयविकास डुडवा 8269934771, विकासखंड जोबट डॉ. पुष्पेंद्र मण्डलोई 9753984048, विकासखंड उदयगढ़ डॉ. राजेंद्र डामोर 8225087198, विकासखंड कट्ठीवाड़ा 9753614141, विकासखंड सोंडवा डॉ. सीमा मौर्य 8349208680, विकासखंड च.शे. आजादनगर 9179183835 पर संपर्क कर जानकारी प्रदान कर सकते है।

टीएमसी के पूर्व सांसद को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद केडी सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. दरअसल 2019 में मनी लॉन्ि?ड्रंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए केडी सिंह की 239 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली थी. ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की है.

केडी सिंह की जब्त की गई संपत्ति में हिमाचल प्रदेश के कुफ्री में रिसोर्ट शामिल है. इसके साथ ही चंडीगढ में एक शोरूम समेत पंचकूला, पंजाब और हरियाणा में संपत्ति भी शामिल हैं, जिन्?हें जब्त किया गया है. इसके अलावा ईडी ने केडी सिंह के एचडीएफसी और पीएनबी के बैंक खाते भी जब्त कर दिए थे।

ईडी की ये कार्रवाई अलकेमिस्ट ग्रुप ऑफकंपनीज के खिलाफथी, जिस पर केडी सिंह का स्वामित्व है. आरोप है कि, इस ग्रुप ने निवेशकों से विभिन्न पोंजी स्कीम के जरिए 19 सौ करोड़ रुपए वसूले थे. जिस मकसद से पैसा लिया गया था, उसमें नहीं लगाया गया. उसकी जगह पैसा दूसरी कंपनियों में भेजा गया और जमीनें खरीदी गई. सेबी की रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया था।

धोनी के लिए हो रही कड़कनाथ चुजों की फार्मिंग में पाया बर्ड फ्लू, मरे चुजे

मुर्गी पालन केन्द्र पर पाया गया बर्ड फ्लू, जिला चिकित्सा अधिकारी ने कि पुष्टि

माही की गूंज, थांदला (झाबुआ)।

नगर से 2 किलोमीटर दूर ग्राम रूंडीपाड़ा के निवासी मन्नु मईडा, आशीष कड़कनाथ मुर्गी पालन सहकारी संस्था का संचालक है। बीते 6 माह से कड़कनाथ के चुजो को क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के लिए तैयार कर रहा था, चूजे व मादा मुर्गियां जिनकी संख्या 2 हजार 500 से अधिक थी, जिसमें आधे से ज्यादा चूजे 4-5 दिन में बर्ड फ्लू का शिकार होकर मर गई। चुजो में बर्ड फ्लू होने की पुष्टि जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. विल्सन डावर ने की, डॉ. डावर ने बताया कि, लगातार चूजो की मौत की खबर मिलने के बाद टेस्ट किए गए जिनमें मुर्गी पालन केंद्र पर मृत चूजो में बर्ड फ्लू वायरस एच 5 एन 1 पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है, संचनालय पशु चिकित्सालय मध्य प्रदेश ने भी पत्र जारी कर बर्ड फ्लू की पुष्टि की है।

बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद पूरा प्रशासनिक अमला हरकत में आया और मुर्गी पालन केंद्र पर मृत चूजो व मूर्गियों को दफन करवाया गया, अन्य जवित मुर्गे-मुर्गियों का उपचार किया जा रहा है। मिली जानकारी अनुसार अब मुर्गी पालन केंद्र पर कम से कम डेढ़ सौ जीवित चुजे ही बचे है मौके पर तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान चौहान, सीएमओ अशोक चोहान सहीत चिकित्सालय एवं नगर पालिका परिषद का अमला उपस्थित रहा।

पाकिस्तान की हरकतों को बीएसएफ ने किया नाकाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के नीचे एक सुरंग का पता लगाया। अधिकारियों ने बताया कि, बुधवार सुबह एक अभियान के दौरान बीएसएफके जवानों ने बोबियान गांव में सीमा पार से बनाई गई एक सुरंग का पता लगा, जिसका निर्माण आतंकवादियों को घुसाने के लिए किया गया है।

बीएसएफके आईजी ने कहा, कठुआ के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ पाई गई सुरंग लगभग 150 मीटर लंबी है, इस सुरंग के निर्माण में उचित तकनीक का प्रयोग किया गया है, यह भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के लिए पाकिस्तान की सोची-समझी साजिश है, ऐसा लगता है कि हाल में इसका उपयोग नहीं किया गया है।

सुरंग और ड्रोन के जरिए आतंकियों को भेज रहा है पाकिस्तान

बीते साल नवंबर महीने में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने एक ऐसी सुरंग का पता लगाया था, जिससे होकर आतंकी भारत आए थे। बीते पांच महीने में बीएसएफने तीसरी बड़ी सुरंग का पता लगाया है। एक आधिकारी ने बताया कि, यह पाकिस्तान की बदली हुई रणनीति का हिस्सा है, पहले जहां सीधे आतंकियों को सीमा पार कराने की कोशिश होती थी वहीं अब इन सुरंगों का सहारा लिया जा रहा है। बीएसएफके अधिकारी के अनुसार पिछले सप्ताह नगरोटा में मारे गए चारो आतंकी भी सुरंग से होकर ही भारत आए थे।

मुरैना में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या हुई 20

मुरैना, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के दो गांवों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है और गंभीर रूप से बीमार 17 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है।

इस कमेटी में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजोरा, पुलिस महानिदेशक एसाई मनोहर, उप पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला को शामिल किया गया है। वहीं इस घटना में मुरैना के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को निलंबित कर दिया गया है।

शिवराज सिंह चौहान ने एक ट्वीट में मुरैना के जिला आबकारी अधिकारी को निलंबित करने की घोषणा की। चौहान ने ट्वीट किया, 'मुरैना की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखदाई है। मामले की जांच जारी है, लेकिन प्रथम

दृष्टया सुपरविजन में लापरवाही बरतने पर जिला आबकारी अधिकारी को निलंबित किया गया है। इस बीच एक पुलिस अधिकारी को भी निलंबित किया गया है।

मुरैना की बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखदायी घटना है। मामले की जांच जारी है, लेकिन प्रथम दृष्टया सुपरविजन में लापरवाही करने पर डिस्ट्रिक्ट एक्साइज अफसर को सस्पेंड किया गया है।

पत्रकारिता के अतिरिक्त भी एक विशिष्ट व्यक्तित्व थे दादा

माही की गूंज, झाबुआ। मुदस्सीर मंसूरी

पत्रकारिता के प्रति समर्पण, पीड़ितों के पक्ष में लिखना और प्रभावियों को चुनौती देना। बड़ा-सा कार्यालय, समाचार लिखने के लिए हर पल तैयार रहना, आगंतुकों, अतिथियों को समान रूप से सम्मान व महत्व देना। अपने सिद्धांतों से समझौता न करना, पत्रकारिता को किसी भी प्रकार से प्रभावित न होने देना। अंचल के लिए लिखते रहना, प्रतिदिन नए विचार, समाचार पाठकों को परोसना, ग्रामीण पत्रकारिता को महत्व, पत्रकारों के हित के लिए लड़ना, तंत्र को आईना दिखाकर विधि सम्मत कार्य हेतु मजबूर करना। अंचल में आने वाले हर व्हीआईपी को अपनी लेखनी से प्रभावित करना, सीमित पत्रकारिता की गूंज बड़े स्तर तक गुंजायमान करना- यह सब गुण पत्रकारिता के उस भीष्मपीतामाह में थे, जिनकी आने वाली 20 जनवरी को सातवीं पूण्यतिथि है। वहीं पत्रकारिता के आधार स्तंभ जिनका नाम तो यशवंत घोड़ावत था, किंतु अपनेपन से सभी उन्हें दादा कहकर पुकारते थे। दादा शब्द सुनते ही परिवार के मुखिया की परिभाषा आंखों के सामने होती और इसी प्रकार जिले की पत्रकारिता, अंचल तक के अंतिम पंक्ति में खड़े पत्रकारों तक के हित के लिए दादा ने मुखिया की भूमिका निभाते हुए हर समय उन्हें संरक्षण दिया है। तंत्र ही नहीं अपितु माफियाओं ने कई बार छोटे पत्रकारों को दबाने, डराने, धमकाने की साजिशें की परंतु इन्हीं पीड़ित पत्रकारों के साथ दादा विकट परिस्थितियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते थे। कुछेक वर्षों तक ही उनके साथ रहने का अवसर मिला परंतु दिनचर्या का अधिकांश समय दादा के साथ गुजारने पर न सिर्फ पत्रकारिता सीखने मिली, अपितु दादा के जीवन से जुड़ी कई छोटी-मोटी घटनाओं से भी अवगत होने का अवसर मिला। दादा का सैद्धांतिक जीवन भी इस दौरान बहुत करीब से देखा।

पत्रकारिता के लिए जुनून, पत्रकारों के लिए संरक्षण, पत्रकारों को संगठित रखना जैसी कई आदतें अथवा दादा द्वारा किए गए प्रयास, ही दादा को पत्रकारिता में अलग पहचान दिलाते थे। अपनी पत्रकारिता से कभी समझौता न करना भी दादा के सैद्धांतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा था। दादा ने अपने पत्रकारिता जीवन की एक अलग की दुनिया बसा रखी थी, जहां सिर्फ स्टाफके लोग, मित्रगण और सूत्र रहा करते थे। अच्छी-बूरी बातें दादा अक्सर इन्हीं लोगो को सुनाया, बताया और सिखाया करते थे। वर्षो पुरानी मित्रता दादा को याद रहा करती थी, तो जिलेभर के पत्रकारों से मिलनसारिता रखते थे। यहीं कारण था कि दादा अपनेपन से हर कोई दादा से मिलने कार्यालय चला आता था। कार्यालय आने वाले हर व्यक्ति को ससम्मान बैठाना। चाय पानी पिलाना भी दादा की आदतों में शुमार था। कभी-कभार किसी से नाराज भी हो जाते थे, किंतु क्षमा करने में एक क्षण भी नहीं लगता था। पत्रकारिता जीवन, पत्रकारिता की दुनिया, अपने सिद्धांत दादा को पत्रकारिता का भी भीष्म पितामाह बनाती थी।

पत्रकारिता में कभी समझौता न करने की शैली भी दादा की अलग ही थी। जिले के बड़े-बड़े माफिया दादा से हर पल समझौता करने को तैयार रहते, तो तंत्र में भी कई ऐसे अधिकारी आते-जाते रहते थे जो दादा की कलम से कांप जाया करते थे। अंचल के सामाजिक संगठनों की गतिविधियों पर दादा की पैनी नजर रहती थी और बूरी नीयत से किए हर कार्य से दादा ने अपने पाठकों को रूबरू कराया है। पीड़ित कोई भी, बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे दादा से मिलने कार्यालय पर आ सकता था। कभी दादा कार्यालय पर नहीं होते तो तुरंत सारे कार्य छोड़कर पीड़ा सुनने उपस्थित हो जाते। प्रभावियों का पक्ष कभी अपनी कलम के माध्यम से दादा ने रखा ही नहीं। अमूमन देखा जाता है, वर्तमान पत्रकारिता प्रभावियों के पक्ष में ज्यादा झुकी हुई है, परंतु अपने समय में दादा ने हमेशा पीड़ितों, शोषितों, उपहासितों का समर्थन ही किया है। ग्रामीण पत्रकारिता को लगातार दादा संरक्षण दिए रहते थे। आशय सिर्फयही था कि सीमित साधनों के बावजूद पत्रकारिता का जुनून इन कलमकारों में है। हर समय धमकी, धौंस, दपट के बावजूद ठेठ गांव खेड़े की हकीकत से पूरे जिले को अवगत कराने का श्रेय इन्हीं को है। पत्रकारिता की रीढ़ यदि कोई है तो वह सिर्फग्रामीण कलमकार ही है।

लगातार 50 वर्षों से अधिक समय तक सिर्फ और सिर्फ अंचल के लिए पत्रकारिता करना, सामाजिक बुराइयां दूर करना, पत्रकारों का संगठन चलाना, आदिवासियों में जनजागृति लाना आदि कार्य दादा को सम्मानित बनने के लिये पर्याप्त थे। संसाधनों के अभाव से पत्रकारिता प्रारंभ कर संसाधनों सहित पत्रकारिता को सरल बनाने और पत्रकारों की फौज तैयार करने तक दादा ने सक्रिय रूप से पत्रकारिता की, जो अपने आप में असंभव-सा है। निरंतर 50 वर्षो तक प्रतिदिन अपने पाठकों को प्रभावित करना दादा को विशेष दर्जा देता है। विभिन्न षड्यंत्रों के बावजूद निरंतर निखरती पत्रकारिता का अंत भी एक न एक दिन तय था और वह काला दिन आया 20 जनवरी। प्रकृति ने तो एक दिन पूर्व ही सूचना दे दी थी, परंतु होनी का टलना असंभव है और अंततः 20 जनवरी को पत्रकारिता का चमकता एक सूरज डूब गया। जिले के पत्रकारों में शोक की लहर थी तो स्टाफसहित मित्रगणों की आंखो में नम हो चुकी थी। विरोधी चाहकर भी खुश नहीं हो पा रहे तो परिवार सहित रिश्तेदारों की रूह भी कांप उठी थी। पत्रकारिता की अलग दुनिया बसा कर दादा ने जीवन में तो जो चाहा हासिल कर लिया था, परंतु मरणोपरांत का सपने से अक्सर अपने करीबियों को अवगत कराते रहते थे। सबसे बड़ा सपना था जिस अंतिम सांस को उस दिन समाचार पत्र छपना। मेरे जाने के बाद कुछ ऐसी ही पत्रकारिता करते रहना, जिससे माफिआओं, विरोधियों ही नही अपनों के मध्य भी मेरी यादें शेष रहे। मेरे मरने की दुआ करने वाले भ्रष्टों और माफिआओं को मेरे जाने का कमी खलनी नहीं चाहिए। इन्हीं सिद्धांतों व पत्रकारिता के मिशन को आगे ले जाने को संकल्पित माही की गूंज परिवार दादा स्वर्गीय श्री यशवंत घोड़ावत को श्रद्धांजलि, आदरांजलि अर्पित कर अपने ही नहीं घोड़ावत दादा के पाठकों को यह विश्वास दिलाता है कि दादा के सिद्धांतों और बताए हुए करकमलों पर चलने का प्रयास जीवन पर्यन्त तक जारी रहेगा।

स्व. श्री यशवंत घोड़ावत जी की पुण्यतिथि पर पत्रकार महासम्मेलन 20 जनवरी को

अलीराजपुर व झाबुआ जिले के पत्रकार पहुचेंगे करवड़, पत्रकारो के साथ प्रतिभावो का भी होगा सम्मान

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़। पत्रकार जगत के हस्ताक्षर स्व. श्री यशवंत जी घोड़ावत की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला पत्रकार महासम्मेलन इस वर्ष जिला पत्रकार संघ के नेतृत्व में पत्रकार संघ करवड़ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। श्री यशवंत जी घोड़ावत की ये 7 वी पुण्यतिथि है और हर वर्ष जिला पत्रकार संघ द्वारा पत्रकार सम्मेलन का आयोजन आयोजित होता आ है। करवड़ में होने वाले पत्रकार महासम्मेलन में इस बार अतिथि के रूप में श्री घोडावत जी के साथ लम्बे अरसे तक पत्रकारीता करने वाले अविभाजीत जिले के साथी एवं वरिष्ठ पत्रकार सम्मानीय श्री अशोक जी ओझा(अलिराजपुर), श्री विरेन्द्र जी जैन(च.शे. आजादनगर), श्री रघु जी कोठारी (अलिराजपुर), श्री शफ्फखत जी दाउदी (नानपुर), श्री जगराम जी विश्वकर्मा (आम्बुआ) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय भटेवरा ने जिले के पत्रकारों को उक्त आयोजन में आने का आह्वान किया है। करवड़ पत्रकार संघ के वरिष्ठ पत्रकार बंसीलाल शर्मा ने बताया कि, कार्यक्रम की तैयारी हो चुकी है और ग्रामीण पत्रकारिता के लिए विशेष योगदान देने वाले और कार्य करने वाले विरलय पत्रकार और कलम के धनी स्व. श्री यशवंत जी घोड़ावत की पुण्यतिथि पर अविभाजीत जिले भर के पत्रकार आयोजित पत्रकार सम्मेलन में पधार कर दादा को पुष्पांजलि अर्पित करेगे। इस अवसर पर पत्रकारो के सम्मान के साथ प्रतिभा एवं सरहानिय कार्य करने वाले महाअनुभवो का सम्मान भी जिला पत्रकार संघ द्वारा किया जावेगा, उक्त आयोजन कोरोना गाईडलाईन के साथ आयोजित होकर इस वर्ष बिना पत्रिका के फोन व सोशल मीडिया पर सुचना देकर पत्रकारो को आमंत्रित किया जावेगा। पत्रकार संघ ईकाई करवड के आयोजक समिति के पत्रकार मनोज मेलीवार, गोपालदास वैरागी, अनोखीलाल बसेर, राकेश डुंगरवाल, लुणचंद गामड, अरूण पाटीदार, अनुराग गामड, विरेन्द्र बसेर, प्रवीण बसेर, पंकज मेलिवार, नारायण प्रजापत, अभीजित पंवार, उमेश श्रीमाल, सुशील पाटीदार आदि सभी पत्रकारो ने झाबुआ एवं अलिराजपुर के सभी पत्रकारो को उक्त पत्रकार महासम्मेलन मे पधार कर आयोजन को सफल बनाने की अपिल की है।

एक्सप्रेस वे निर्माण में रास्ते के लिए 10 माह से परेशान किसानों ने धरना देकर किया विरोध, जिसके बाद हुआ समाधान

आखिर क्यों जिआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कम्पंनी द्वारा बार-बार विरोध करने के लिए किया जा रहा है मजबूर

माही की गूंज खवासा, विजय पाटीदार, नारायण पालरा

जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी की मनमानी से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस 8 वे निर्माण में आमजन के साथ किसानों एवं अधिग्रहित भूमि मालिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, नतीजन आज भी अधिग्रहित भूमि मालिक मुआवजे को लेकर परेशान हो रहे है। वही जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के निर्देशन पर कंपनी के मुलाजिम प्रशासनिक पकड़ के साथ, आम लोगों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और लोगों को इस हद तक परेशान किया जा रहा है कि, उन्हें धरना व विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

किसानो के धरना प्रदर्शन के बाद 10 मीटर चौढा क्रासिंग रास्ता का किया बैस तैयार।

१० माह तक सुनवाई नही होने पर किसानो ने किया विरोध प्रदर्शन।

इसी तारतम्य में मंगलवार को मजबूरी वश परेशान होकर क्षेत्र के ग्राम भामल के किसानों को ग्राम के मध्य से बन रहे एक्सप्रेस वे मार्ग पर जाकर विरोध कर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ निर्माण कार्य को बाधित करना पडा। मामला 18 मार्च 2020 को स्थानीय समस्त ग्रामवासियों ने थांदला एसडीएम को दिल्ली-मुंबई 8 लेन बनने के कारण हो रही समस्या का समाधान करने विषयक लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें बताया गया था कि, समस्त ग्रामवासी परेशान होकर खेती कार्य कर अपने परिवार का गुजर बसर कर रहे हैं।

वहीं किसानों की भूमि मार्ग की दूसरी ओर है तथा एक शतक पूर्व से ग्राम का तालाब बना हुआ है, उक्त तालाब एवं कृषि कार्य हेतु बन रहे एक्सप्रेस वे मार्ग से दूसरी ओर अपने कृषि यंत्रों एवं संसाधनों के साथ आने-जाने के लिए रास्ते की मांग की थी।

वही यह भी प्रतिवेदन में उल्लेख किया था कि, जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के मुलाजिम उक्त बड़े एवं मुख्य तालाब के किनारे से मिट्टी खुदाई कर दूसरी ओर डाली जा रही है, वही तालाब की पाल को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, तालाब की पाल टूटने पर ग्राम वासियों को पानी की समस्याओं से जूझना पड़ेगा।

भामल में किसानो के विरोध प्रदर्शन के बाद एक दिन के लिए एक्सप्रेस वे का कार्य रहा बंद।

उक्त प्रतिवेदन के 10 माह बाद भी ना ही रास्ते का कोई समाधान हुआ ना ही तालाब में से मिट्टी निकालने व तालाब को क्षति पहुंचाने संबंधी कोई कार्रवाई ठेकेदार के मुलाजिमों के विरुद्ध की गई। जीआर इंफ्रा कंपनी की मनमानी व प्रशासन को प्रतिवेदन देने के बाद भी कुंभ करणी नींद में सोए अधिकारियों के कारण मजबूरन विरोध के रूप में एक्सप्रेस 8 वे निर्माण कार्य को बाधित कर किसानों को मंगलवार को धरने पर बैठने पर मजबूर होना पड़ा और किसानों ने धरने पर बैठकर कहां, हमारी जमीने एक्सप्रेस वे रोड की दूसरी साइट है, वहीं सिंचाई हेतु बना हमारा तालाब भी एक्सप्रेस वे रोड के दूसरी साइट है तथा पूर्व में सर्वे नंबर 554 पर सरकारी रास्ता भी तालाब पर आने-जाने हेतु था, उसी मार्ग पर आने-जाने हेतु क्रासिंग कर मुख्य मार्ग आवाजाही हेतु बनाया जाए।

किसानों ने धरने पर बैठकर कहा कि, जब तक ठेकेदार व प्रशासन के आला अधिकारी यहां आकर रास्ते संबंधी समस्या का समाधान नहीं करते है, वहां तक धरने पर ही बैठे रहेगें।

किसानों के धरने पर बैठने के बाद जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के मुलाजिम डीजीएम मनोज, लाइजनिंग मैनेजर अजय मोनावत किसानों को गुमराह कर मापदंड व ड्राइंग के हिसाब से ही काम चल रहा है, कोई क्रासिंग प्रस्तावित नहीं है, इसलिए हम रास्ता नहीं बना सकते कहा।

वही ठेकेदार के मुलाजिमों ने कहा 300 से 400 मीटर की दूरी पर खाई में बरसात के पानी के निकास के लिए ट्रैकिंग स्टेचर बन रहे है जो दो बॉई दो मीटर की कन्वर्ट बनेगी जिसमें व्यक्ति पैदल निकल सकता है, वही माइनर ब्रिज भी इतनी दूरी पर ही कहीं ना कहीं बन रहे है जिसमें ट्रैक्टर व छोटे वाहन की आवाजाही हो सकती है वही पक्के रोड पर अंडर पास भी बन रहे हैं।

किसान रोड निर्माण कंपनी के मुलाजिमों के माइनर ब्रिज की बात पर भी संतुष्ट नहीं हुए, क्योंकि माइनर ब्रिज की चौड़ाई में एक ट्रैक्टर जैसे एक वाहन की ही आवाजाही हो सकती है, अगर दूसरी ओर से वाहन आने पर प्रतिदिन माइनर ब्रिज दुर्घटनाओं को ही न्योता देगा कहा और किसान अपनी बात पर अड़े रहे और किसानों की मजबूती व जायस मांग थी, वही अगर इस विरोध के दौरान प्रशासनिक अमला आने पर ठेकेदार को बड़ी परेशानी झेलना पड़ सकती थी, जिसको देख मंगलवार की देर शाम को 10 मीटर चौड़ा रास्ता आवाजाही हेतु बनाने की बात ठेकेदार के मुलाजिमो ने कही व हाथों-हाथ ठेकेदार ने अपने संसाधनों से रास्ता हेतु बेस बना दिया गया और 10 मीटर रास्ता देकर ब्रिज बनाने की बात किसानों को कही, जिसके बाद किसानों ने अपना धरना एवं विरोध प्रदर्शन खत्म कर अपने घर लौटे।

धरने में मुख्य रूप से कमल देवड़ा, बालू सोलंकी, भूतपूर्व उपसरपंच केशव सोलंकी, रामसिंह सोलंकी, मांगूसिंह चौहान, मांगूसिंग राठौड़, हरिसिंह राठौड़, दशरथ सोलंकी, नाथूसिंग पटेल आदि कई किसान थे।

स्वच्छता अभियान को पलीता लगाती ग्राम पंचायत

अधूरे शौचालय का निकाल लिया भुगतान, सरपंच पति प्रधानमंत्री को दे रहा चुनौती

माही की गूंज बामनिया। गौरव भंडारी

विकास के नाम पर भृम फैलाने वाली ग्राम पंचायत की जमीनी हकीकत बेहत ही भयवाह है, विकास खण्ड की बड़ी पंचायतों में से एक ओर शिक्षित वर्ग के मध्य बनी शिक्षित महिला सरपंच के कार्यो को देखकर कोई नही कह सकता कि, ग्राम के विकास के लिए कोई शिक्षित महिला सरपंच कार्य कर रही है। इतनी बड़ी पंचायत में विगत तीन से चार वर्षों में स्वच्छता अभियान के तहत बनने वाले शौचालय की स्थिति बद् से बद्तर है। ऐसा नही की हितग्राहियों ने शौचालय की देख-रेख नही की हो, पंचायत द्वारा बनाए गए सभी शौचालय बिना उपयोग के ही या तो अधूरे पड़े है या फिर धराशाई हो गए है। पंचायत में निचली बस्तियों में शौचालय के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है और जिम्मेदारो की मोन सहमति ऐसी की कोई देखने वाला ही नही है।

बिना छत ओर शीट का शौचालय

पंचायत के चितोड़ी फलिए और कजलिया फलिए में सड़क पर ही बने शौचालयों की दुर्दशा देखी जा सकती है। कजलिया के वाला पिता कांजी डामर के नाम से शौचालय स्वीकृत हुआ था लेकिन उसकी राशि वाला पिता कांजी डामर खाते में जमा नही करवाकर पंचायत के खाते में डलवा ली और कार्य ठेकेदार को दे दिया, अब ठेकेदार कार्य पूर्ण किए बिना ही गायब हो गया, ऐसा कोई एक मामला नही है ऐसे ही कजलिया फलिए के कई शौचालय अधूरे पड़े है। हितग्राहि का कहना है कि, ग्राम पंचायत से जब अधूरे निर्माण और पैसे भुगतान करने को कहा जाता है तो कहते है कि, तुम्हारा पैसा निकल चुका है अब कोई पैसा बाकी नही है। पंचायत के अनुसार यदि भुगतान कर दिया गया है तो, ऑफदी-रिकॉर्ड कार्य पूर्ण हो चुका है और हितग्राही का फोटो भी अपलोड किया गया होगा, पंचायत ने मटेरियल के फर्जी बिल लगाकर पैसे निकाल लिए। हितग्राही वाला डामर का कहना है कि, मेरे शौचालय की न तो छत भरी न ही सीट लगाई उल्टा ठेकेदार रेत और इंट तक मुझसे ले गया जिसका भी भुगतान नही किया जा रहा है।

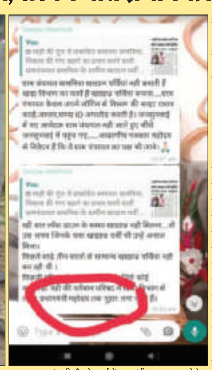

खबर पर सरपंच की और से सफाई में प्रधानमंत्री तक गुहार लगाने के बाद भी पर्ची नही बनने का दावा करता शिक्षक।

देश के प्रधानमंत्री भले ही स्वच्छता अभियान के माध्यम से शौचालय बनवाकर गंदगी मूक्त करना चाहते हो लेकिन ऐसी भ्रष्ट पंचायत केवल इस अभियान के नाम पर अपना स्वार्थ सिद्ध कर स्वच्छता अभियान को पलीता लगा रही है।

शिक्षिक सरपंच पति खाद्यान्न पर्ची के लिए दे रहा प्रधानमंत्री को चुनोती

जिला कलेक्टर भले ही चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधियों से उनके पति और करीबी रिश्तेदारो को दूर रखने का निर्देश हो लेकिन इसका कोई खास असर नही दिख रहा है, महिला चाहे शिक्षित हो या अनपढ़ महिला का पति ग्राम पंचायत की बागडोर अपने हाथ मे ही रखते है, भले ही फिर वो शासकीय शिक्षक ही क्यो नही हो। खाद्ययान पर्ची नही मिलने से परेशान पंचायत की कुछ महिलाएं जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत लेकर पहुंची थी, जिस पर गूंज ने ग्रामीणों की समस्या को लेकर समाचार प्रकाशित किया था, समाचार की कटिंग सोशल मीडिया पर देखकर सरपंच के शिक्षक पति अपने आपको नही रोक पाए और पर्ची के लिए अपनी और से किए गए प्रयासों के बखान करते हुए प्रधानमंत्री तक मामला भेजने के बाद भी पर्ची नही बनने का दावा करने लग गए। शिक्षक महोदय अपने शिक्षक कार्य मे कम रुचि और सरपंच पत्नी के कार्यो में अधिक रुचि रखते हुए ग्राम पंचायत के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहते है हुए कलेक्टर के आदेशों की खुल्लेआम धज्जियां उड़ाते हुए सामान्य रूप से दिख जाएंगे।

जिताऊ और टिकाऊ को तवज्जो, आलाकमान पर टिकी दावेदारों की निगाहें

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। नितिन झाकरोद

नगर पालिका चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद भी भाजपा और कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नामो की घोषणा नहीं की है, वही दावेदारों में भी इस बात की जीज्ञासा है कि, आखिर उनका नाम आएगा या नहीं। इधर कांग्रेस ने बैठक कर दावेदारों के नामों को लेकर मंथन किया है, हालांकि दोनों ही दलों ने कोई सूची जारी नहीं की है आधे से अधिक वादों में दावेदारों की संख्या दो से तीन होने से तस्वीर साफहोने में अभी समय लगेगा। भाजपा में अधिकांश वार्डों में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन पूरा हो चुका है और प्रदेश स्तर पर भेजे गए पैनल के आधार पर नाम तय होने हैं, वहीं कांग्रेस में कुछ वार्डों को लेकर खींचतान है जिससे नाम तय करने में मशक्कत करनी पड़ रही है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष महेंद्रजीत सिंह मालविया, चुनाव प्रभारी प्रशांत शर्मा, चांदमल जैन आदि आला नेता कुशलगढ पहुंचे और पिपली चौराहे पर स्थित जोशी भवन में कार्यकर्ताओं की बैठक ली, जिसमें संभावित नामों को लेकर चर्चा की मालविया ने सभी को आपसी मतभेद भुलाकर बोर्ड बनाने के लिए काम करने का आह्वान किया। इस मौके पर विधायक रमिला खड़िया, जिला अध्यक्ष चांदमल जैन, रजनीकांत खाब्या सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईजी ने किया दौरा ली बैठक

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)। नवनियुक्त उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक आईजी सत्यवीर सिंह कुशलगढ़ पुलिस थाने का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आईजी ने माल खाना, संधारण रिकॉर्ड, रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया। वहीं प्राथमिकता के अनुसार मामलों को निस्तारित करने और अपराधियों में कमी लाकर जनता को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी कावेंद सागर, डीएसपी संदीपसिंह शक्तावत, थाना अधिकारी प्रदीप आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रिय युवा सप्ताह का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, शुजालपुर। आदर्श क्लब पटलावदा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्व. चन्दरसिंह परमार की स्मृति में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर किया गया, राष्ट्रिय युवा सप्ताह 12 जनवरी से 19 जनवरी तक आयोजित होगा, साथ युवा सप्ताह में महिलाओं की चेयर रेस, फुटबॉल मैच, नेत्र शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व क्रिकेटर सुरेंद्र देशमुख, जिला फुटबॉल ऐसो. कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र परमार, प्रदेश कार्यकारी सदस्य मानसिंह राजपूत, आदर्श क्लब अध्यक्ष जेपी परमार, सेक्रेटरी इंदर सिंह, ताराचंद सेठ, बीएस मेवाड़ा, धर्मसिंह परमार, समस्त खिलाड़ियों व ग्रामीणजन आदि उपस्थिति थे।

नाली पर जाली नही होने से वाहनो को निकलने में हो रही परेशानी

माही की गूंज, बामनिया। नगर में ग्राम पंचायत की लापरवाही जगह-जगह नजर जा रही है, मामाजी मोहल्ले में सीसी रोड के बीच बनी नाली आमजन के लिए परेशानी का सबब बन गई है। रोड के बीच मे बनी नाली इतनी चौड़ी है कि, दुपहिया वाहन और छोटे चार पहिया वाहन के टायर नाली में उतर जाते है, जिस कारण अधिकांश लोगों को अपना वाहन घुमा कर ले जाना पड़ता है, वार्ड में रहने वाले रहवासियों की भी वाहन और सब्जी विक्रेताओं को भी उक्त मार्ग पर घूम कर आना पड़ता है। विगत दिनों अमरगढ़ रोड पर पाइप लाइन डालने के कार्य के दौरान और मामाजी की पुण्यतिथि पर इस मार्ग से छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही हुई थी लेकिन उक्त खुली पड़ी नाली पर जाली या पतथर नही होने से लोग परेशान होते रहे। ऐसा नही है कि, ग्राम पंचायत को इस बात की जानकारी नही है लेकिन पंचयात की उदासीनता के चलते इस मामूली समस्या पर भी धयान नही दिया जा रहा है।

जिला स्तरीय रोजगार मेले 20 जनवरी को

माही की गूंज, अलीराजपुर। आत्मनिर्भर म.प्र. के निर्माण अंतर्गत जिले में 20 जनवरी को कृषि उपज मंडी अलीराजपुर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन रखा गया है। उक्त रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे तथा युवाओं का साक्षात्कार करते हुए चयन की प्रक्रिया करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने जिले के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उक्त रोजगार मेले का लाभ लेने का आह्वान किया है।

अतिक्रमण की चपेट में भंगियाखाली वाला नाला, नाले को सीमांकन कर बचाना होगा

बारिश में कालोनियों में भर जाता है पानी, जोशी परिवार का दावा नाला निजी भूमि में

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर के थांदला रोड स्थित प्रेम सागर गार्डन के पास स्थित भंगियाखाली वाला नाला जिसमे से नगर के कई हिस्सों से घरो का गंदा पानी निकलता है, उक्त नाला पहले काफी बड़ा हुआ करता था, राजस्व रेकॉर्ड में उक्त नाला दर्ज भी है, लेकिन थांदला-बदनावर मार्ग से लगे होने के कारण यहां की भूमि बे किमती हो गई, भूमाफियाओ ने धीरे-धीरे भराव कर नाले पर पूरी तरह से कब्जा कर प्लाट काट दिए। पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई गई अतिक्रमण मुहिम में उक्त नाले से लगी सरकारी भूमि गार्डन मालिक के कब्जे से आधी-अधूरी छुड़वाई गई थी। अब नाले के दूसरी और फिर से अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे नाला और छोटा होना तय है और नाले के आस-पास सहित, नगरीय क्षेत्र से आने वाले नाले से बारिश के समय गंभीर समस्याओ का सामना नगरवासियों को करना पड़ सकता है।

सीमांकन कर नाले को सुरक्षित करना जरूरी

नगर के ड्रेनेज सिस्टम की हालत वेसे ही खस्ता है, बारिश में जगह जगह पानी भर जाता है ऐसे में कई कालोनियों से गुजरने वाले इस बड़े भंगियाखाली नाले को सुरक्षित करना जरूरी है, जसके लिए इसका सीमांकन कर राजस्व रिकॉड में दर्ज कर क्षेत्र के हिसाब से इसे सुरक्षित किया जा सके, यदी इसी प्रकार उक्त नाला अतिक्रमण की चपेट में आता रहा तो भविष्य में लोगो के साथ-साथ नगर परिषद और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती का सबब बन सकता है।

बारिश में होती है परेशानी हटाना चाहिए अवैध निर्माण

नाले के आस-पास लगातार अतिक्रमण की चपटे में आने से नाले की भूमि बहुत कम रह गई है, नाले के आसपास कब्जे होकर एक बड़ा हिस्सा प्रेम सागर गार्डन तो दूसरी और कालोनी काटकर प्लाट बेचने वालों ने कर लिया है, जिसके कारण थांदला रोड़ सहित, माधव कालोनी ओर आस-पास की कांलोनीयो में जल भराव बारिश के समय हो जाता है।

जोशी परिवार का दावा नाला सरकारी नही निजी भूमि में

शासन नाले को सरकारी बता रहा है, तो वर्षो से नाले सहित आस-पास की भूमि को पेटलावद का जोशी परिवार अपनी निजी भूमि बता रहा है, जो कुछ लोगो ने धोखाधड़ी कर कब्जा कर ली है। मामले का विवाद लम्बे समय से चल रहा है, लेकिन जोशी परिवार न्याय के लिए अब भी भटक रहा है, वही जोशी परिवार खुद भी चाहता है कि, पुराने रेकॉर्ड अनुसार उनकी पूरी भूमि का सीमांकन किया जाए जिससे दूध का दुध हो सके, जोशी परिवार का कहना है कि, यहां कोई नाला नही था अगर रिकॉर्ड के अनुसार नपती हुई तो ये हमारी निजी भूमि निकलेंगी जिसको लेने के लिए हम वर्षो से लड़ रहे है।

विधायक पटेल ने विद्युत डीपी का ग्रामीणों से करवाया शुभारंभ

माही की गूंज, आलीराजपुर।

हर गांव और फलिए के हर घर सहित खेतो में सिंचाई के लिए पर्याप्त क्षमता के साथ बिजली पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। पूर्व के जनप्रतिनिधियो ने 15 साल तक लोगों से झूठे और खोखले वादे किए और विकास के नाम पर गांवों में कुछ नहीं किया गया, अधिकांश गांव आज भी विकास की बांट जोह रहे है। ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर है। यदि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने ईमानदारी से काम किया होता तो ग्रामीणों को वर्तमान में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता, ये बात ग्राम गव्हाण, बेहडवा, दरखड और कुकावाट में विधायक मुकेश पटेल ने 7 विद्युत डीपी का ग्रामीणों से शुभारंभ करवाने के दौरान कही। इस दौरान विधायक पटेल ने बुजुर्गो, महिलाओं, युवाओं और बच्चों का सम्मान भी किया।

ग्रामीणों के चेहरों पर छाई खुशी

ग्राम गव्हाण, बेहडवा, दरखड, अंधारकांच और कुकावाट में विद्युत डीपी के शुभारंभ के दौरान उत्साह का माहौल रहा। अपनी जरूरत के मुताबिक बिजली की सुविधा मिलने से ग्रामीणों के चेहरो पर खुशी छाई रही। विधायक पटेल ने ग्रामीणों से कहा कि, आप लोगों की जो समस्या या कार्य हो हमें अवगत करवाएं। हर समस्या का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करूंगा। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर गांव के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है।

इस दौरान जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष सुमेरसिंह अजनार, कांग्रेस नेता निहालसिंह पटेल, राजेंद्र टवली, खुर्शीद अली दिवान, तरूण मंडलोई, कलम, विजय, कितु, दिनेश, गुजरिया, सुकराम, हरसिंह, मंगलसिंह, विनेश, राजेंद्र, नरेश, राजु सहित बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीणजन मौजूद थे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन अब 20 जनवरी को

झाबुआ में जनपद स्तरीय रोजगार मेला 15 जनवरी को

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग में आत्म निर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत रोजगार सृजन किए जाने के लिए निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर रोहित सिंह ने इन निर्देशों के परिपालन में 20 जनवरी को शासकीय पोलेटेक्निीक कॉलेज में जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित करने के निर्देश दिए है। इस मेले में विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए लगभग 25 से अधिक कम्पनियों के भाग लेने की संभावना है। कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस रोजगार मेले को सफल बनाने के लिए अभी से तैयारियां सुनिश्चित करें और इसका जिले में व्याप प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराएं। जिला रोजगार अधिकारी टीएस डुडवे ने अवगत कराया कि जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 15 जनवरी को आजीविका भवन में किया जाएगा। जिसमें 8 कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए चयन की कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीण पथ विक्रेत ऋण योजना में आवेदन प्रक्रिया शुरू

माही की गूंज, अलीराजपुर।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ एवं छोटी-छोटी आर्थिक गतिविधियों में माध्यम से आजीविका चलाने वालों छोटे व्यवसाइयों को व्यवसाय संचालन और अपने व्यवसाय को सुदृढ करने की दृष्टि तथा तत्काल कार्याल पूंजी उपलब्ध कराए जाने के लिए म.प्र. शासन द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता ऋण योजना के तहत 10 हजार रूपए का ऋण प्रदान किए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है।

इस योजना का लाभ लेने हेतु कामगार सेतु पोर्टल पर जिले की जनपद पंचायत कार्यालयों, ग्रामीण आजीविका मिन के ब्लॉक एवं जिला स्तरीय कार्यालय, ग्राम पंचायत सचिव, कियोस्क सेन्टर तथा स्वयं आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। योजना के तहत 18 से 55 वर्ष आयु तक के व्यक्ति पात्र होंगे। योजना के तहत जाति और शैक्षणिक योग्यता का कोई बंधन नहीं है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जैन ने बताया इस योजना के तहत ग्रामीण प्रवासी श्रमिक एवं समाज के समस्त गरीब पात्र होंगे। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के व्यवसायी जो ग्रामीण आजीविका मिशन में गठित समूह सदस्य हो या जिनकी पत्नी समूह सदस्य हो। रोजगार/कामगार सेतु में दर्ज ग्रामीण क्षेत्र के प्रवासी श्रमिक, इनके द्वारा नवीन व्यवसाय का आवेदन भी कर सकते है। योजना के तहत म.प्र. मूल निवासी के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता रहेगी किन्तु संबंधित का स्थानीय प्रमाण-पत्र शासन द्वारा घोषित समक्ष प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो। इस योजना के आवेदक का किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था, सहकारी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत आवदेन प्रकरणों का निराकरण पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया जाकर बैंकों को अनुंशसा कर अग्रेसित किया जाएगा। आवेदक 20 जनवरी के पूर्व आवेदन प्रक्रिया को पूर्ण करें।

भागवत कथा में उमड़ रही भक्तों की भीड़, गेहलोत ने लिया आरती का लाभ

माही की गूंज, रायपुरिया। पेटलावद मार्ग के बाईपास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में छटे दिन रुक्मणी विवाह संपन्न हुआ। श्रीमद् भागवत कथा में समाजसेवी गौतम गेहलोत ने श्रीमद् भागवत कथा की महाआरती उतारी गई व प्रवचन का लाभ लिया। आयोजन में आचार्य कृष्ण मोहन भारद्वाज ने अपने प्रवचन में कहा कि, भगवान कृष्ण की नोका रूपी नाव में बैठकर परमात्मा को पा सकते हैं परमात्मा के वश में है प्राकृतिक ना कि प्राकृतिक परमात्मा के वश में है, ऐसे कई उदाहरण दिए। महाआरती के बाद प्रसादी वितरण किया गया, गौतम गेहलोत के कार्यक्रम में पधारने पर श्याम सेवा समिति व बंटी भैया मित्र मंडल के भक्तों ने आभार व्यक्त किया।

भाजपा ने मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

माही की गूंज, झाबुआ।

भाजपा जिला कार्यालय पर मंगलवार को भाजपा मंडल झाबुआ द्वारा स्वामी विवेकानंदजी की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने अपने विचार व्यक्त किए। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि प्रारंभ में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष नायक के साथ भाजपा मंडल झाबुआ के अध्यक्ष अंकुर पाठक व महामंत्री जुवानसिंह गुंडिया ने भारत माता के साथ स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया। सभी ने स्वामी विवेकानंदजी को नमन करते हुए उनके जीवन को आदर्श मानते हुए उनसे प्रेरणा लेने हेतु आव्हान किया। इस अवसर पर जिला भाजपा तथा मंडल झाबुआ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पार्षद पपीष पानेरी ने किया। आभार जुवानसिंह गुंडिया ने माना।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर कांग्रेस ने किया स्मरण

माही की गूंज, झाबुआ।

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर विधायक कांतिलाल भूरिया ने स्वामी विवेकानंद जी को पुष्पांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल मेहता ने स्वामी जी को याद करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन एक आदर्श पुरुष के रूप में स्थापित रहा है, हम सभी को स्वामी जी के जीवन से कुछ सीख लेकर समाज में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर पेटलावद विधायक वालसिंह मेड़ा, थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया, पूर्व विधायक जेवियर मेड़ा, जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष हेमचंद डामोर, रूपसिंह डामोर, रमेश डोसी, प्रकाश रांका, आचार्य नामदेव, साबिर फिटवेल, गौरव सक्सेना, आशीष भूरिया, राजेश भटट्, विजय भाबर, रायसिंह गहलोत, विनय भाबर सहित कांग्रेसजनों ने स्मरण करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज सेवा तथा देश सेवा करने का संकल्प लिया।

यातायत पुलिसकर्मी अवेध वसूली में मस्त

माही की गूंज, शुजालपुर। मंडी थाने के सामने से ओवर लोड बालू रेत के डम्फर तेज रफ्तार में निकलते रहते है जिसमे नम्बर प्लेट भी नही लगी रहती है। शुजालपुर ट्राफिक पुलिस में 5 कर्मचारियों की नियुक्ति होने के बावजूद भी शहर की ट्रेफिक व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है, रास्ते मे गाड़ियो की चेकिंग के नाम पर बाइक सवार से बिना चालान पर्ची दिए 200 से 400 तक वसूल लेते है। आयुष मिश्रा, सुनील गुर्जर, राजेश पटेल, जितेंद्र राठौर, जमकर वाहवाही लूटने में लगे हुए हैं। सूत्रों की माने तो वाहन चालकों के वाहन के दस्तावेज ट्रेफिक पुलिस के कर्मचारी छीनकर ले लेते है व रास्ते मे लेन-देन कर वही छोड़ जाते है। पुलिस के ऊपर से जनता का विश्वास उठता जा रहा है तो, माफीयो का बढ़ता जा रहा।

सफलता स्कूल के आगे करोड़ों की भूमि हो सकती है अजजा वर्ग की

170 (ख) में लंबित प्रकरण पर निर्माण कार्य होने का जनसुनवाई में पहुंचा मामला

माही की गूंज ,पेटलावद।

शासकीय रेकॉर्ड में हेरा-फेरी और पेटलावद आदिवासी वर्ग को बहला-फुसलाकर उनकी किमती जमीन कौड़ियों के भाव में खरीद कर सामान्य वर्ग के नाम पर रजिस्ट्री करवा ली जाती है, जबकि धारा 170 (ख) के अंतर्गत किसी भी आदिवासी की जमीन सामान्य वर्ग का व्यक्ति नहीं खरीद सकता है, लेकिन प्रशासन की मिलीभगत के कारण अब यहां यह मुमकिन हो रहा है, आदिवासी की जमीन भी सामान्य वर्ग के नाम रजिस्ट्री की जा रही है।

ऐसा ही एक बड़ा मामला पेटलावद के बदनावर मार्ग पर स्थित सफलता स्कूल के आगे करोड़ो की कीमत की भूमि अजजा वर्ग की होने का मामला चल रहा है, मामला लम्बे समय से न्यायालय में चल रहा है, जिसकी जानकारी बहुत कम लोगो को थी और उक्त भूमि की खरीद फरोख्त लगातार चलती रही ओर लगातार निर्माण कार्य भी होते आ रहे है, लेकिन मंगलवार को पेटलावद की जनसुनवाई में मामला सामने आया। पेटलावद निवासी रतन, धन्ना, विज्या, तेजा एवं हीरा मैडा आवेदन देने पहुंचे, जिसमें धारा 170 के लंबित प्रकरण पर निर्माण कार्य होने की शिकायत दर्ज की। जिसमे यह दर्शाया गया था कि, वडिलोपार्जित संपत्ति कस्बा पेटलावद के चोयल हॉस्पिटल के पास स्थित है और हमारे व मनोहर गेहलोत के बीच लंबित प्रकरण चल रहा है, इसके बावजूद भी मनोहर द्वारा उक्त भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो पूर्ण रूप से अवैध है।

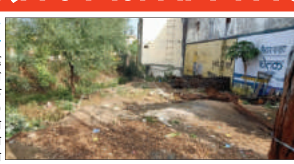

शिकायतकर्ताओं द्वारा बताया गया कि, उक्त जमीन उनके पिताजी के नाम सन 1959 में दर्ज थी जो उनको बहला-फुसलाकर उनकी जमीन पेटलावद निवासी भूमि क्रेता ने खरीद ली और बाद में मनोहर गहलोत को विक्रय कर दी, जिसके बाद शिकायतकर्ता द्वारा उक्त जमीन पर ग्वालियर कोर्ट में प्रकरण लंबित है, जो 25 वर्षों से कोर्ट में चल रहा है। लंबित प्रकरण होने के बाद भी मनोहर गहलोत द्वारा उक्त भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोकने हेतु शिकायतकर्ता ने पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी आईएएस गेमावत को आवेदन दिया है, जिसे उन्होंने जांच में लिया है। उक्त भूमि पर कई लोगो ने अलग-अलग प्लॉट खरीद कर निर्माण कर लिया है यदि निर्णय शिकायतकर्ता के पक्ष में आता है तो ये एक बड़ा निर्णय होगा।

जन-जागरूकता अभियान हुआ प्रारंभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जन जागरूकता अभियान के तहत महिला एवं बच्चों की सुरक्षा हेतु पोस्टर, स्टीकर शहर के प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे। प्रमुख स्थानों के साथ-साथ स्कूलों, कालेजों आदि जगहों पर भी विभिन्न स्लाइड बनाकर, जागरूकता गान, एनिमेशन क्लिप व नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता के साथ-साथ सोशल मीडिया आदि के माध्यम से भी जन-जागरूकता लाने के प्रयास किए जाएंगे। वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा को समाज के केंद्र बिंदु पर लाने के लिए प्रदेश स्तरीय जन-जागरूकता अभियान सम्मान का प्रारंभ हुआ । इस अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कांफेंस के माध्यम से सभी जिला मुख्यालयों पर किया गया। इस शुभारंभ कार्यक्रम में अलीराजपुर पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव ने भी भाग लिया।

एसपी विपुल श्रीवास्तव ने बताया है कि, सम्मान अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा के लिए जागरुक करना, आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को सचेत कर हतोत्साहित करना, महिला एवं बच्चों की सुरक्षा में समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, महिला एवं बच्चों में सुरक्षा का भाव हो। इन सब बातों के लिए उन्हें उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों के प्रति सचेत करना व अपराधों की रोकथाम हेतु ध्यान रखने वाली बातों को जन जागरूकता के माध्यम से समझाना है।

संपादकीय

किसानों के सहयोग के बिना आंदोलन के समाधान की राह मुश्किल

किसान आंदोलन को लेकर सरकार का अब तक जो रवैया देखने को मिला, उस पर अदालत ने सोमवार को गहरी नाराजगी व्यक्त की थी और साफकर दिया था कि वह इन कानूनों के अमल पर रोक लगा सकती है। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसए बोबडे की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय पीठ ने आदेश जारी कर इन विवादित कानूनों पर अमल रोक दिया।

पीठ ने एक कमेटी भी बना दी है जो किसानों की समस्याओं और कानूनों को लेकर उत्पन्न आशंकाओं को सुनेगी और फिर अदालत को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। अदालत का यह कदम स्वागतयोग्य है। इसे न तो किसानों की जीत और न सरकार को झुकाने के प्रयास के रूप में देखे जाने की जरूरत है। अदालत ने किसान संगठनों से साफ-साफ कहा है कि गतिरोध दूर करने के लिए उन्हें भी कमेटी के समक्ष आना ही होगा। बिना उनके सहयोग के किसी भी तरह के हल की कोई गुंजाइश नहीं बनेगी। किसान संगठनों को यह बात गंभीरता से समझने की जरूरत है।

केंद्र सरकार और किसान संगठन अगर पहले ही अड़ियल रुख छोड़ कर कोई उचित और तार्किक समाधान निकलने का प्रयास करते तो गतिरोध इतना नहीं खिंचता। लेकिन किसान कानूनों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी जामा पहनाने की मांग पर अड़े रहे और सरकार किसी भी सूरत में इन्हें वापस नहीं लेने की बात दोहराती रही।

ऐसी हठधर्मिता को कहीं से भी विवेकशीलता का परिचायक नहीं कहा जा सकता। वार्ता के नाम पर केंद्र सरकार जिस तरह मामले को खींचने में अपनी होशियारी समझती रही और नई-नई तारीखें देकर किसानों के धैर्य की परीक्षा लेती रही, किसी भी संवेदनशील सरकार से ऐसी अपेक्षा नहीं की जा सकती। आखिरकार सर्वोच्च अदालत को कड़ा रुख अख्तियार करते हुए यह कहने को मजबूर होना ही पड़ा कि किसानों की समस्या का हल निकालने में सरकार नाकाम रही है।

कोई भी समाधान तभी निकल पाता है जब दोनों पक्ष एक दूसरे की मजबूरी को समझते हुए लचीला रुख अपनाएं। किसान संगठनों ने अभी भी यही संकेत दिया है कि कानून वापसी से कम पर वे मानने वाले नहीं हैं। अगर ऐसा होता है तो कैसे समाधान निकलेगा! बल्कि बेहतर यह होगा कि अदालत पर भरोसा करते हुए किसान संगठन अब आंदोलन खत्म करने के बारे में सोचें। अब तो मामला अदालत के पास है और कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर अदालत जो फैसला दे, संबंधित पक्षों को उसका सम्मान करना चाहिए।

अदालत की यह चिंता वाजिब है कि कड़ाके की ठंड और बारिश जैसे प्रतिकूल हालात में भी दिल्ली की सीमाओं पर लाखों किसान मोर्चे पर डटे हैं। साठ से ज्यादा किसान ठंड से दम तोड़ चुके हैं। नए कृषि कानूनों के विरोध में खुदकुशी की घटनाएं भी सामने आई हैं। केंद्र सरकार के रुख से खफा किसानों ने गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर मार्च निकालने का एलान कर दिया है।

पंजाब और हरियाणा में किसानों के हिंसा पर उतरने की घटनाओं ने भी चिंता पैदा कर दी। राजस्थान में भी किसानों ने दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को कई दिनों से बंद कर रखा है। कई राज्य सरकारें भी इन कानूनों के खिलाफहैं, इसलिए अदालत को दखल देना पड़ा है। उचित और सर्वमान्य समाधान निकले, इसके लिए अदालत के प्रयासों को सफल बनाने की जिम्मेदारी सरकार और किसान संगठनों की है।

कोरोनाः डब्ल्यूएचओ की चीन को क्लीन चिट देने की तैयारी

मयंक चतुर्वेदी

कोरोना की उत्पत्ति कहां से हुई, यह वायरस आखिर कहां से आया? इस बात की जांच करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक एक्सपर्ट टीम एक बार फिर चीन के दौरे पर जा रही है, किंतु बड़ा प्रश्न यह है कि इस टीम के वहां जाने से होगा क्या? पहले भी बीते जुलाई माह में जो दल गया वह खाली हाथ लौटा था। हम कह सकते हैं कि उस दल में विशेषज्ञों की कमी थी, इसलिए यह दल बहुत गहरे जाकर सच्चाई का पता नहीं लगा पाया। आज जब इस काम के लिए बड़ा दल भेजा जा रहा है, तो उसके हाथ कुछ लगेगा, यह सोचना अपने को भ्रम में रखना होगा। वस्तुतः चीन जैसा देश जो अपने हितों के लिए किसी भी मानवीय सीमा को पार करने में गुरेज नहीं करता, कम-से-कम उससे मानवीयता की आशा नहीं रखी जा सकती है।

आज यह किसी से छिपा नहीं है कि डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडहैनम घेब्रयेसिस की नियुक्तिति में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का सबसे बड़ा हाथ रहा है। वे चाहकर भी चीन के विरोध में नहीं जा सकते। फिर इस बीच जिस तरह से चीन ने कोरोना काल में अपने आप को ग्रोथ में लाकर इकोनॉमी पॉवर बनने की ओर कदम बढ़ाए हैं, उससे भी साफ अंदेशा पैदा होता है कि कोरोना वायरस को इसलिए लाया जा रहा था कि वह अपनी बिगड़ी अर्थव्यवस्था को न केवल पटरी पर ला सके बलकि लाभ के स्तर पर अन्य देशों से आगे निकल जाए।

कोरोना वायरस को लेकर अमेरिका के दो वैज्ञानिकों ने बीते अगस्त माह में चौंकाने वाला खुलासा किया था। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि यह वायरस करीब आठ साल पहले चीन की खदान में पाया गया था। दुनिया आज जिस कोरोना वायरस से प्रभावित है, वो आठ साल पहले चीन में मिले वायरस का ही घातक रूप है। वुहान लैब में जानबूझकर वायरस तैयार किया गया। इन वैज्ञानिकों का बार-बार यही कहना रहा कि उनको मिले साक्ष्य दर्शाते हैं कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति चीन के दक्षिण पश्चिम स्थित युन्नान प्रांत की मोजियांग खदान में हुई थी। उन्होंने बताया कि 2012 में कुछ मजदूरों को चमगादड़ का मल साफ करने के लिए खदान में भेजा गया था। इन मजदूरों ने 14 दिन खदान में बिताए थे, बाद में 6 मजदूर बीमार पड़े। इन मरीजों को तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, हाथ-पैर, सिर में दर्द और गले में खराश की शिकायत थी। ये सभी लक्षण आज कोविड-19 के हैं। कथित तौर पर बीमार मरीजों में से तीन की बाद में मौत भी हो गई थी। यह सारी जानकारी चीनी चिकित्सक ली जू की मास्टर्स थीसिस का हिस्सा है। थीसिस का अनुवाद और अध्ययन डॉ. जोनाथन लाथम और डॉ. एलिसन विल्सन द्वारा किया गया है।

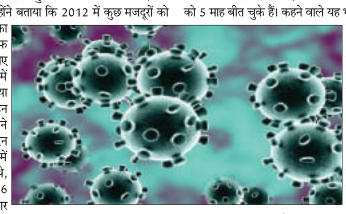

वस्तुतः अमेरिकी वैज्ञानिकों का यह दावा इस महामारी के लिए चीन की भूमिका को सीधे तौर पर कठघरे में खड़ा करता है। जबकि चीन कहता आया है कि उसे कोरोना के बारे में पूर्व में कोई जानकारी नहीं थी। जैसे ही उसे वायरस का पता चला, उसने दुनिया के साथ जानकारी साझा की। दूसरी ओर इन्हीं वैज्ञानिकों का कहना है कि मजदूरों के सैंपल वुहान लैब भेजे गए थे और वहीं से वायरस लीक हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि महामारी बनने से पहले ही कोरोना वायरस चीन के रडार पर आ चुका था।

चीन को लेकर अब वैज्ञानिकों की आई इस रिपोर्ट को 5 माह बीत चुके हैं। कहने वाले यह भी कह सकते हैं कि अमेरिका के ये वैज्ञानिक हैं, इनके दावे झूठे हो सकते हैं क्योंकि अमेरिका और चीन की आपस में मित्रता नहीं। लेकिन क्या इसे लेकर दुनिया के अन्य देशों के वैज्ञानिक जिसमें यूरोप के कई देशों के वैज्ञानिक हैं, वे भी आज झूठ बोल रहे हैं? जिनकी समय-समय पर आई रिपोर्ट सीधे चीन को कटघरे में खड़ा करती हैं। वस्तुतः यह सभी रिपोर्ट्स झूठी नहीं, चीन झूठा है। वह नहीं चाहेगा कि किसी भी सूरत में वुहान से जुड़ी कोरोना वायरस के फैलने की सच्चाई दुनिया के सामने आए। फिर अब जब ये कोरोना जांच दल चीन भेजा भी जा रहा है, तो उससे निकलकर क्या परिणाम आएगा? उत्तर है यदि कोई तो यही कि इसमें चीन का कोई हाथ नहीं, चीन से कोरोना नहीं फैला।

यहां यह इसलिए कहा जा रहा है कि देखते ही देखते कोरोना को फैले पूरा एक साल बीत चुका है। क्या वहां चीन कोई सबूत छोड़ेगा, जिससे कि उसे यह जांच दल फंसा सके? अबतक पता नहीं कितनी बार वुहान लैब सहित पूरे शहर के अन्य प्रमुख स्थानों का कयाकल्प वह कर चुका होगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडहैनम घेब्रयेसिस की नीयत इतनी साफ होती तो वह अपनी विशेषज्ञों की टीम भेजने में इतना वक्त नहीं लगाते। न कोरोना वायरस (कोविड-19) को महामारी घोषित करने एवं तुरंत वैश्विक हवाई यात्राओं को बंद कराने के लिए निर्देश जारी करने में इतनी देरी करते कि कोरोना चीन से वैश्विक महामारी बन सकता।

कहने का अर्थ है कि इस पूरे मामले में डब्ल्यूएचओ की भूमिका भी संदिग्ध है। सच यही है कि यदि कोरोना वैश्विक न होता तो चीन का दवाओं एवं इससे जुड़ा कई हजार अरब का बाजार गर्म नहीं होता। आज जिस तरह से खासकर उसकी दवा व चिकित्सकीय उपकरण बनानेवाली कंपनियों की ग्रोथ हुई है और इसका लाभ उसे तकनीकी उपकरण की तेज होती कीमतों के साथ तमाम स्तरों पर मिला है, वह कोरोना के वैश्विक हुए बगैर आज नहीं मिल सकता था।

अब जो साफ दिखाई दे रहा है, वह यही है कि पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की विशेषज्ञ टीम चीन में कोरोना से जुड़े जरूरी आंकड़े और सबूत इकट्ठा करेगी। जिसका कुल निष्कर्ष यही निकलेगा कि कोरोना चीन से नहीं फैला है। जबकि आंकड़ों एवं व्यवहारिक सच्चाई जो बार-बार सामने आती रही है वह यही है कि चीनी शहर वुहान में ही दुनिया का पहला कोरोना वायरस 2019 के अंत में पाया गया था और फिर वह देखते ही देखते विश्वव्यापी हो गया। वस्तुतः इस डब्ल्यूएचओ की विशेषज्ञ टीम से कोई जांच को लेकर उम्मीद लगाए कि उसके हाथ कुछ खास लग जाएगा और वह चीन को कोरोना महामारी फैलाने का जिम्मेदार मानेगी। यदि कोई ऐसा सोच रहा है तो वास्तव में वह अपने से ही छलावा कर रहा है।

भारत की विश्व -भूमिका

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का भारत पिछले हफ्ते सदस्य बन गया है। वह पिछले 75 साल में सात बार इस सर्वोच्च संस्था का सदस्य रह चुका है। इस बार उसने इसकी सदस्यता 192 में से 184 मतों से जीती है। वह सुरक्षा परिषद के 10 अस्थाई सदस्यों में से एक है। उसे पांच स्थायी सदस्यों की तरह 'वीटो' का अधिकार नहीं है लेकिन एक वजनदार राष्ट्र के नाते अब तक उसने एशिया और अफ्रीका की आवाज को जमकर गुंजाया है। इस बार सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत के लिए यह है कि वह सुरक्षा परिषद की तीन कमेटियों का अध्यक्ष चुना गया है। अध्यक्ष के नाते उसके कई विशेषाधिकार होंगे। पहली कमेटी है, आतंकवाद-नियंत्रण, दूसरी कमेटी है, तालिबान-नियंत्रण और तीसरी कमेटी है, लीब्या-नियंत्रण। इन तीन में से दो कमेटियों का सीधा संबंध भारत से है। भारत की सुरक्षा से है। आतंकवाद-नियंत्रण कमेटी का निर्माण 2001 में न्यूयार्क के विश्व व्यापार केंद्र पर हमले के बाद हुआ था लेकिन यह कमेटी अभी तक तय नहीं कर सकी है कि आतंकवाद क्या है ?

यदि भारत की अध्यक्षता में आतंकवाद को सुपरिभाषित किया जा सके और उसके विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को पहले से भी सख्त बनाया जा सके तो उसका अध्यक्ष बनना सार्थक सिद्ध होगा। दूसरी कमेटी है, तालिबान को नियंत्रित करने के बारे में। अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने की दृष्टि से उस कमेटी का बड़ा महत्व है। अफगानिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। अमेरिका में तो उसका हमला एक ही बार हुआ है लेकिन भारत तो उसका शिकार पिछले दो-ढाई दशक से लगातार होता रहा है। मेरे समझ में नहीं आता कि यह कमेटी क्या कर लेगी ? वह तालिबान का बाल भी बांका नहीं कर सकती, क्योंकि अमेरिका उससे सीधे संवाद कर रहा है। इस संवाद में भारत की भूमिका एक दर्शक-मात्र की है जबकि अफगानिस्तान में उसकी भूमिका अत्यधिक अर्थवान होनी चाहिए। तीसरी कमेटी है, लीब्या-नियंत्रण कमेटी। इस कमेटी ने लीब्या पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। जैसे हथियार-खरीद पर पाबंदी, उसकी अंतरराष्ट्रीय संपत्तियों और लेन-देन पर प्रतिबंध आदि! पश्चिम एशिया की अस्थिर राजनीति में इस कमेटी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनना चाहिए ताकि उसे भी चीन की तरह वीटो का अधिकार मिले और वह अपनी वैश्विक भूमिका को ठीक से निभा सके।

चाणक्य नीति

बुद्धिमान व्यक्ति को ऐसे देश में कभी नहीं जाना चाहिए जहाँ रोजगार कमाने का कोई माध्यम ना हो, जहा लोगों को किसी बात का भय न हो, जहा लोगो को किसी बात की लज्जा न हो, जहा लोग बुद्धिमान न हो, और जहाँ लोगो की वृत्ति दान धरम करने की ना हो।

एक सलाह

मुलाकातें जरूरी है अगर रिश्ते बचाने है, लगाकर भूल जाने से तो पौधे भी सूख जाते है।

काम की बात

अगर कोई आपको नीचा दिखाना चाहता है तो इसका मतलब है आप उससे काफी उपर है।

बर्ड फ्लूः एक महामारी गई नहीं, दूसरी की आहट से दहशत

बीसवीं सदी के तीसरे दशक का आगाज हो चुका है। कोरोना आपदा में बीते साल के कड़वे अनुभवों को भुलाते हुए लोगों को उम्मीद है कि वर्ष 2021 वाकई इक्कीस अर्थात पिछले सालों से अपेक्षाकृत श्रेष्ठ साबित होगा। हालांकि 2021 के उगते सूरज के साथ ही एक महामारी अलविदा कहने को तैयार हुई तो बर्ड फ्लू नामक दूसरी महामारी पैर पसारने को बेताब हो गई। अब तो सरकार भी इंसानों को चेता रही है कि परिन्दों से सावधानी बरतें, वरना बर्ड फ्लू का वायरस इंसानों में प्रवेश कर सकता है। वर्ष 2020 अलविदा कहता, उससे पहले ही राजस्थान समेत कई अन्य प्रदेशों में पक्षियों में फैली महामारी बर्ड फ्लू ने अपने आगमन के संकेत दे दिए।

राजस्थान में बर्ड फ्लू के संक्रमण का दायरा अब तेरह जिलों तक फैल गया है। इन जिलों में अबतक 2950 परिन्दे असामयिक मौत का शिकार बन चुके हैं। प्रदेश के 24 जिलों में परिन्दों की लगातार मौतें हो रही है। राज्य के झालावाड़ जिले से सर्वप्रथम कौओं की मौतों से शुरू हुआ परिन्दों की मौतों का सिलसिला अबतक जारी है। प्रदेश में बर्ड फ्लू के लिहाज से राजधानी जयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, पाली, सिरोही, कोटा, बारां, झालावाड़, बांसवाड़ा, चित्तौडगढ़ व प्रतापगढ़ को पॉजिटिव माना गया है। राजस्थान समेत देश के कई प्रदेश अब इस नई आफ्त से घबरा रहे हैं। राजस्थान समेत देश के कई राज्य इस खतरे की जद में आ चुके हैं।

बर्ड फ्लू यानी एवियन इंफ्लूएंजा जंगली पक्षियों में होता है, जो शहरी पक्षियों में उनसे फैल जाता है। जंगली पक्षियों के नाक, मुंह, कान से निकले द्रव और उनके मल से ये फैलता है। देश में वर्ष 2006, वर्ष 2012, वर्ष 2015 के बाद अब 2021 में बर्ड फ्लू ने हमला किया है। नेशनल हेल्थ प्रोग्राम की मानें तो बर्ड फ्लू की वजह से भारत में अभीतक किसी इंसान की मौत नहीं हुई है। वर्ष 2003 से 2019 के बीच दुनिया के 1500 लोग बर्ड फ्लू के संक्रमण में आए थे जिनमें से 600 लोग इस संक्रमण के चलते अपनी जान गंवा बैठे थे। जानकार चिकित्सक बताते हैं कि मनुष्य में इन्फेक्शन, मरे या जिंदा संक्रमित पक्षियों से होता है। उसकी आंख, मुंह, नाक से जो द्रव निकलता है या उनके मल के संपर्क में मनुष्य आता है तो उसमें भी ये संक्रमण आ सकता है। अगर किसी सतह पर या किसी संक्रमित पक्षी को छूने के बाद यदि कोई मनुष्य अपनी आंख, नाक या मुंह को हाथ लगाता है तो उसे संक्रमण का खतरा हो सकता है।

जंगली पक्षी उड़ते समय मल निष्कासित करते हैं तो उसके संपर्क में आने से ये बीमारी शहरी पक्षियों में फैल जाती है। हालांकि कोरोना के संक्रमण से मुक्त हुए लोगों को इससे कोई सीधा खतरा नहीं है, लेकिन जानकार चिकित्सकों का कहना है कि जो लोग कोरोना के संक्रमण से ठीक हो रहे हैं वो लोग जरूर किसी अन्य संक्रमण के रिस्क पर रहते हैं। उनके दूसरी बीमारी के चपेट में आने की संभावना ज्यादा रहती है, क्योंकि जब भी आप एक बीमारी से ठीक होते हैं उस समय शरीर में उतनी शक्ति नहीं होती है, इम्युन सिस्टम भी कमजोर रहता है। ऐसे में किसी भी अन्य बीमारी की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। इसलिए जो लोग कोरोना के संक्रमण से ठीक हुए हैं उन्हें काफी सावधान रहने की जरूरत है।

देश में बर्ड फ्लू का यह चौथा हमला है। देश में अभी तक बर्ड फ्लू के एच5एन1 वायरस ने ही हमला किया है, जबकि इसका एक और खतरनाक वायरस है जिसे एच7एन9 कहते हैं। वर्ष 2013 में एच7एन9 की वजह से चीन में 722 इंसान संक्रमित हुए थे। इनमें से 286 लोगों की मौत हो गई थी। पशुपालन और डेयरी विभाग के अनुसार 2006 से लेकर 2015 तक 15 राज्यों में 25 बार मुर्गियों में बर्ड फ्लू का वायरस यानी एवियन इंफ्लूएंजा वायरस मिला है। ये पहला मौका है जब राजस्थान में बर्ड फ्लू के वायरस की पुष्टि हुई हैं। राजस्थान के 11 जिलों में गुजरे दिनों मृत पाए गए कौओं समेत अन्य परिन्दों की जांच रिपोर्ट में बर्ड फ्लू के वायरस की पुष्टि हुई है।

सरकार कह रही है कि बर्ड फ्लू को लेकर सावधानी बरतें, लेकिन घबराए नहीं। नेशनल हेल्थ प्रोग्राम की साइट के अनुसार भारत में अभी तक इंसानों में ये बर्ड फ्लू का संक्रमण देखने को नहीं मिला है। दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर डिजीस कंट्रोल के तहत चल रहे इंटीग्रेटेड डिजीस सर्विलांस प्रोग्राम के तहत देश भर में बर्ड फ्लू समेत कई बीमारियों पर नजर रखी जाती है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

श्रेष्ठ युवाओं की उर्वरा भूमि है भारत

डॉ. मोक्षराज

विश्व के सबसे अधिक युवा भारत में बसते हैं। भारत श्रेष्ठ युवाओं को पैदा करने वाली एक ऐसी भूमि है जहाँ परिवार, कुटुम्ब एवं सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ महान पूर्वजों की श्रेष्ठ विरासत भी उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। भारत की परिवार व्यवस्था बच्चों के विकास की सबसे उत्तम पाठशाला है, जहाँ न केवल संस्कार दिए जाते हैं, बल्कि संगठन शक्ति का विकास तथा तनाव से बचे रहने का स्वाभाविक बोध भी कराया जाता है।

स्वाभिमानी बनें

युवा अपनी भाषा, संस्कृति व स्वदेशी तकनीक के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए कटिबद्ध हों। 'मेक इन इंडिया' का सपना भारत की आत्मनिर्भरता तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ जमाने के लिए एक अमोघ अस्त्र है। भारत की संस्कृति के वास्तविक स्वरूप को जानने के लिए विश्व झटपटा रहा है, क्योंकि भारतीय जीवन मूल्यों में ही वह शक्ति छिपी है जो व्यक्ति को सुख-शांति और आनंद का सुंदर परिवेश दे सकते हैं।

हमें अपने युवाओं पर गर्व है

वर्तमान में भी वैश्विक स्तर पर जो विश्वसनीयता भारत के युवाओं की है वैसी कदाचित् किसी भी देश की नहीं है। नशा तथा दिखावे की संस्कृति से बचकर हमारे युवा यदि स्वास्थ्य तथा चरित्र की पूँजी को बनाए रखें तो भारत को पुनः विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकता। सारा विश्व भारत के कदमों में होगा। दुनिया में भारत के युवाओं ने सूचना तकनीकी, अभियांत्रिकी, चिकित्सा, विज्ञान, तथा साहित्य के क्षेत्र में अपनी योग्यता को प्रमाणित कर भारत का भाल उन्नत किया है।

राष्ट्रहित सर्वोपरि

अपने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए हम अपने पूर्वजों की संस्कृति पर अभिमान करना सीखें। हम विदेशी मीडिया की चाल व राष्ट्र विरोधी ताकतों के षड़यंत्रों को समझें। अधिकांश विदेशी मीडिया वाले भारत की छवि बिगाड़ने के लिए वर्षों से जुटे हुए हैं।

युवा बहकें नहीं

जातिवाद, नशा, बेमेल विवाह तथा सांप्रदायिक द्वेष को मिटाने की दिशा में भी निरंतर काम करने व सच्चे ज्ञान का अर्जन करने की सदैव आवश्यक है। एवेंजर्स जैसी फिल्में भारत की छवि बिगाड़ने का एक छोटा-सा नमूना मात्र है, जबकि इस प्रकार के हजारों षड़यंत्र, युवा पीढ़ी को भ्रमित करने के लिए ऑनलाईन प्रोग्राम्स के माध्यम से परोसे जा रहे हैं।

श्रेष्ठ युवा बनें

हमें अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान कर निरंतर आगे बढ़ना होगा। विदेशी लेखकों व मीडिया द्वारा छलपूर्वक जो दृश्य दिखाए जाते हैं उन्हें झूठा साबित करना हमारी जिम्मेदारी है। युवा का अर्थ है जो अपने राष्ट्र और समाज की बुराइयों को तोड़ने तथा अच्छाइयों को जोड़ने की क्षमता रखता है। हमें सही मायने में अच्छा युवा, सच्चा युवा, राष्ट्रभक्त युवा बनना होगा। हम सदैव सजग रहते हुए सबसे अग्रणी हों। वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहितारू -यजुर्वेद

(लेखक, वॉशिंगटन डीसी में भारत के प्रथम सांस्कृतिक राजनयिक रहे हैं।)

समाधान के आसार

सिद्धार्थ शंकर

पिछले 47 दिनों से जारी किसान आंदोलन अब अपने अंजाम तक पहुंचता दिख रहा है। किसान आंदोलन से जुड़ी सभी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हुई सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने जो रुख दिखाया, उससे यही संकेत मिल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें पता नहीं कि सरकार इन कानूनों को लेकर कैसे डील कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने सरकार से कहा कि अगर आप में समझ है तो इन कानूनों पर अमल ना करें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि या तो आप इन कानूनों पर रोक लगाइए या फिर हम लगा देंगे। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सिर्फ विवादित हिस्सों पर ही रोक लगाई जाए लेकिन कोर्ट का कहना है कि नहीं हम पूरे कानून पर रोक लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि लोग मर रहे हैं और हम कानूनों पर रोक नहीं लगा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि नए कृषि कानूनों को लेकर जिस तरह से सरकार और किसानों के बीच बातचीत चल रही है, उससे हम बेहद निराश हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि आपके राज्य कानूनों के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं। हम फिलहाल इन कानूनों को निरस्त करने की बात नहीं कर रहे हैं, यह काफी नाजुक स्थिति है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस सब की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। केंद्र सरकार कानून ला रही है और इसे बेहतर तरीके से कर सकती थी। कोर्ट ने आगे कहा कि अगर कुछ गलत हो गया तो इसके जिम्मेदार हम सब होंगे। हम नहीं चाहते कि हमारे हाथ किसी के खून से रंगे हो। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख बता रहा है कि अब सरकार किसी नतीजे पर पहुंचेगी। नए कृषि कानूनों को वापस लेने मांग को लेकर किसानों के धरने को 46 दिन हो चुके हैं। 50 से ज्यादा किसानों की मौत हो चुकी है। सरकार के हठधर्मी रवैये से नाराज होकर कुछ किसानों ने तो खुदकुशी जैसा आत्मघाती कदम तक उठा लिया। इन घटनाओं से साफ है कि अगर सरकार ने जल्द ही कोई उचित समाधान नहीं निकाला तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ेंगे। जाहिर है, जब दोनों पक्षों ने इसे अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है और कोई भी झुकने को तैयार नहीं है तो गतिरोध खत्म होने की बजाय और बढ़ेगा ही। यह गतिरोध किसान संगठन अपने इस रुख पर कायम हैं कि जब तक सरकार कृषि कानूनों को वापस नहीं ले लेती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। सरकार भी साफ कर चुकी है कि कृषि कानूनों की वापसी नहीं होगी। एक ऐसे संकट को जन्म दे रहा है जो किसी भी रूप में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता। छठे दौर की बातचीत के बाद सरकार ने दावा किया था कि किसानों की दो मांगें मान ली गई हैं और बाकी पर भी जल्द ही सहमति हो जाएगी। पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी शक्ल देने और कृषि कानूनों को वापस लेने के जिन असल मुद्दों पर किसान आंदोलित हैं, उनके समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल होती नहीं दिख रही। सरकार बार-बार किसानों को यह भरोसा देने में लगी है कि एमएसपी किसी भी सूरत में खत्म नहीं किया जाएगा और इसके लिए वह लिखित रूप में भी देने को भी तैयार है। टकराव का यही बड़ा बिंदु है। अगर सरकार एमएसपी खत्म नहीं कर रही तो इसे कानूनी शक्ल देने में क्या मुश्किल है, यह समझ से परे है। इसी से किसानों के मन में यह आशंका घर कर गई है कि आखिर ऐसी कौन-सी कानूनी बाधा या मजबूरी है कि सरकार एमएसपी बनाए रखने के बारे लिख कर देने को तो तैयार है, पर उसे कानूनी रूप देने को तैयार नहीं है। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह एमएसपी की पेचीदगी को लेकर किसानों के समक्ष अपनी मजबूरी रखे और उन्हें संतुष्ट करे। अब सुप्रीम कोर्ट के रुख से यह तो तय हो गया है कि सरकार या तो कानून रद्द करेगी या फिर उसे होल्ड पर रखेगी।

डाउनलोड करिये अपलोड करिये बस दिल पर लोड न लीजिये

विवेक रंजन श्रीवास्तव, लेखक

युग व्हाट्सअप का है। वे सोकर उठते ही व्हाट्सअप मैसेजेज चौक करते हैं। व्हाट्सएप से वर्चुएल वैचारिक इनकमिंग जारी रहती है। व्हाट्सअप ज्ञान बढ़ाईये , बांटिये। पर फेक न्यूज से सतर्क रहिये। आखिर इतने मंहगे मोबाईल और घोटाला मुक्त सस्ती दरो पर सुलभ फोर जी स्पीड का क्या फायदा यदि समय पर दूर बैठे आत्मीय जनो को सचलितचित्र गुड मार्निंग ही नही की। ये और बात है कि छः बाई छः के सुकोमल बैड पर बाजू में ही पसरी सात जनमो की साथिन की ओर मुस्कान भरी निगाहें तक डालने का ध्यान इस व्हाट्सअप अपडेट के चक्कर में नहीं जाता। वैसे भी अब कौन सी नई नवेली शादी है। एप्पल का मोबाईल जरूर बीबी से बहुत नया है।

व्हाट्सएप उन्हें मोबाईल मय बनाये रखने में सर्वाधिक मदद करता है। हर थोड़े अंतराल पर व्हाट्स अप नोटिफिकेशन उनके वैश्विक संबंधो की पुष्टि करता है। कहीं गलती से कुछ घंटे वे मोबाईल न देख पायें तो विभिन्न ग्रुप्स से प्राप्त पेंडिग मैसेजेज की गिनती हजारो में पहुंच जाती है। मैसेजेज के वर्चुएल डिजिटल वजन से मोबाईल भारी हो जाता है।

परिवार के, स्कूल के, कालेज के, कार्यालय के, शहर के, साहित्य के, स्वजातीय बंधुओ के ढ़ेरो ग्रुप्स ने कनेक्टिविटी ऐसी बढ़ा दी है कि पास के लोग दूर और दूर के लोग पास हो गये हैं। ससुराल के ग्रुप, परिवार के ग्रुप और बच्चों के ग्रुप की नोटीफिकेशन टोन ही उन्होने बिल्कुल अलग रख ली है, जिससे वे सदैव सबके निकट बने रहें।

यदि व्हाट्सएप को मालूम हो जावे कि आज ढ़ेर सारे कार्यालय ही व्हाट्सअप पर चल रहे हैं तो निश्चित ही इसके एवज में व्हाट्सअप कुछ रायल्टी क्लेम कर सकता है। मीटिंग की सूचना से लेकर फोटो सहित कम्पलाइंस रिपोर्ट व्हाट्सअप पर ही ली दी जा रही हैं। इधर मैसेज में दो नीली टिक हुई नहीं कि दूसरे छोर से अपेक्षा की जाती है कि साइट से फोटो सहित रिपोर्ट आ जावे। ग्रुप में परिपत्र डालकर यह मान लिया जाता है कि सभी को सूचना मिल चुकी है। स्क्रीन शाट प्रुफ बन रहे हैं। वे जमाने यादें बनकर रह गये हैं, जब डाकिया लिफाफा लाता था, रिसीप्ट क्लर्क शाम को सारी डाक खोलकर तरीके से सील ठप्पे लगाकर डाक पैड में बांधकर करीने से टेबिल के कोने में रखा करता था, फिर हम इत्मिनान से एक-एक पत्र पढ़ते और उसके मार्जिन में सबार्डिनेट्स को इंस्ट्रक्शन्स लिखा करते थे।

पहले लोग सामूहिक ठहाके लगाते थे, एक जोक सुनाता था सब हंसते थे, अब जमाना व्हाट्सअप युगीन है, मैसेज पढ़कर मैं मंद मंद मुस्करा रहा था, मित्र ने देखा तो कहा मुझे भी फारवर्ड कर दे मैं भी हंसू। तो व्हाट्सअप युग के साक्षी बने रहिये जब तक कोई और इसे धक्का मारने न आ जावे, मौलिकता छोड़िये, फारवर्ड करिये, डाउनलोड करिये, अपलोड करिये बस दिल पर लोड मत लीजिये, अपडेट रहिये।

स्वामी विवेकानंद और वामपंथी बौद्धिक जगत की खोखली दलीलें

डॉ.अजय खेमरिया

स्वामी विवेकानंद को लेकर वामपंथी बुद्धिजीवी एक नकली विमर्श खड़ा करने की कोशिशों में जुटे हुए है।हिन्दुत्व को लेकर अपनी ओछी मानसिकता और सतही समझ उनके बुनियादी चिंतन के मूल में है।हैदराबाद विवि के प्रोफेसर ज्योतिर्मय शर्मा की एक पुस्तक हैष्कॉस्मिक लव एन्ड ह्यूमन इमपेथीरूस्वामी विवेकानंदज रिसेन्टमेंट ऑफरिलीजनष् इस पुस्तक में दावा किया जाता है कि विवेकानंद का चिंतन अतिशय हिंदुत्व पर अबलंबित है जबकि उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस के जीवन में कहीं भी यह शब्द सुनाई नही देता है।लेखक ने अपने विवेचन में इस बात को लेकर भी विवेकानंद की आलोचना के स्वर मुखर किये है कि उन्होंने हिंदुत्व को वैश्विक उपासना पद्धति के तौर पर सुस्थापित करने का प्रयास किया है।असल में विवेकानंद को लेकर वामपंथी बुद्धिजीवियों का दावा नए भारत में वैसे ही पिट रहा है जैसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर खड़ा किया गया उनका डरावना विमर्श।कुछ समय पूर्व तक तमाम सेक्यूलर बुद्धिजीवियों द्वारा यह दावा किया जाता था कि विवेकानंद के विचार साम्प्रदायिकता के विरुद्ध थे और संघ परिवार पर उनका दावा ठीक गांधी और पटेल की तरह खोखला है।खासकर मुस्लिम शरीर(सामाजिक संगठन) और हिन्दू मस्तिष्क(वेदांती चिंतन) की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले उनके विचार को लेकर वामपंथियों ने यही दावा किया है कि वे हिन्दुत्व के मौजूदा विचार का खंडन करने वाले विचारक है।सवाल यह है कि क्या विवेकानंद हिन्दुत्व के विरुद्ध थे?इसका उत्तर विवेकानंद को लेकर वामपंथियों की अलग अलग धारणाओं से हमें समझने की कोशिश करनी चाहिये।इस दौरान यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिये कि जिस तरह नकली और मनगढ़ंत प्रस्थापनाओं के जरिये आजाद भारत की विमर्श नवीसी में ब्राह्मणवाद,मनुवाद,फुले -अम्बेडकरवाद,बहुलतावाद और दलित-वनवासी अलगाव के सिद्धांत खड़े किए गए है ठीक वैसा ही विवेकानंद को लेकर भी किया गया है।इस्लाम और मुगलिया संस्कृति के प्रति उनके कतिपय विचारों को एक तरफा ढंग से व्याख्यियत करने के शातिराना प्रयास भी कम खतरनाक नही है।सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि इस्लामी शरीर और वेदांती मस्तिष्क से उनका मूल आशय क्या था?10 जून 1898 को स्वामी जी ने मुहम्मद सरफराज को लिखे पत्र में कहा कि ष्भारत भूमि जो हमारी मातृभूमि है के लिए इस्लामी शरीर और वेदांती मस्तिष्क की आवश्यकता है आगे वह लिखते है कि मुसलमान समानता के भाव का अंश रूप में पालन करते है परंतु वे इसके समग्र रूप भाव से अनजान है ,हिन्दू इसे स्पष्ट रूप से समझते है।परन्तु आचरण में जातिगत रूढ़ियों और अन्य कुरीतियों के चलते पूरी तरह से पालना नही कर पा रहे है।अब इस कथन का सीधा आशय यह भी है कि विवेकानंद की नजर में इस्लामी तत्वज्ञान हिंदुत्व से कमतर ही है।लेकिन सेक्यूलर बुद्धिजीवी इसे साम्प्रदायिकता विरोधी बताकर स्थापित करने का प्रयास करते रहे है।वैश्विक उपासना पद्धति या हिन्दुत्व को अहले किताब धर्म(एक पुस्तक पर आधारित)के रूप में स्थापित करने के आरोपों के आलोक में विवेकानंद के विचारों को गहराई से देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि वेदांत को वे दुनियावी धर्म बनाने के लिए पक्के आग्रही थे। रामकृष्ण परमहंस के चिंतन से उलट उनके संबोधन में शिन्दूश् शब्द पर आपत्ति करने वाले लेखक यह भूल जाते है कि विवेकानंद का फलक वैश्विक था और वे अपने अनुयायियों को मठ में नही विदेशों में संबोधित करते है।जाहिर है भारत से बाहर वे वेदांत या उपनिषदों की बात करते है तो इसके लिए उन्हें हिन्दू धर्म ही बोलना होगा क्योंकि यह इसी विराट चिंतन और जीवन पद्धति का हिस्सा है।विवेकानंद किसी अलग उपमत के प्रवर्तक नही थे वे हिन्दू धर्म की तत्कालीन बुराइयों पर चोट भी कर रहे थे लेकिन समानांतर रूप से वे हिंदुत्व की मौलिक पुनर्स्थापना के प्रबल समर्थक थे।रामकृष्ण परमहंस के देवलोकगमन पश्चात वे भारत भृमण पर विशुद्ध हिन्दू सन्यासी के भेष में दंड और कमंडल लेकर निकले है उनका स्थाई भेष विशुद्ध भगवा था।यही भगवा भेष आज उनकी स्थाई पहचान है , हिंदू शब्द और भगवा भेष भारत के उदार वाम बुद्धिजीवियों के लिए अश्पृश्य और घृणा के विषय रहे है।जैसे जैसे विवेकानंद के चिंतन का तत्व बहुसंख्यक भारतीय जनमानस में स्थाई हो रहा है वामपंथियों द्वारा अपनी सिद्धहस्त बौद्धिक कारीगरी से स्वामी जी को सेक्यूलर उपकरणों से लांछित करने की कोशिशें भी हो रही है।जेएनयू में विवेकानंद की प्रतिमा के साथ अनावरण से पहले ही किया गया बर्ताब यह बताने के लिए पर्याप्त है कि विवेकानंद के प्रति लेफ्ट लिबरल्स की सोच क्या है।जिस पुस्तक का जिक्र इस आलेख में किया गया है वह इसी मानसिकता का परिचायक है।वामपंथी बुद्धिजीवियों द्वारा स्वामी जी के चिंतन को विकृत व्याख्या के धरातल पर खड़ा करने की कोशिश भी हुई है इसीलिए तमाम लेखकष् इस्लामी शरीर और

वेदांती बुद्धिष की आवश्यकता को उनके विचार के रूप में बदल कर पेश करते और अपनी जन्मजात दुश्मनी निभाते हुए वेदांती बुद्धि को की जगह श् वैज्ञानिकश् बुद्धि बताते रहे है।यहां ध्यान से देखें तो विवेकानंद ने इस्लाम और ईसाइयत दोनों का खंडन किया है ,श्विश्वधर्म का आदर्शश् व्याख्यान में वे कहते है कि मुसलमान वैश्विक भाईचारे का दावा करते है लेकिन जो मुस्लिम नही है उनके प्रति इस्लाम का रवैया अनुदार और खारिज करने जैसा ही है इसी तरह ईसाई मिशनरियों की निंदा के साथ वे ईसाई तत्वज्ञान को संकुचित बताते है उन्होंने कहाकि गैर ईसाइयों को नरक का अधिकारी बताया जाना मानवीयता के विरुद्ध है।जाहिर है स्वामी जी वेदांत के जरिये जिस दुनियावी धर्म की बात कह रहे थे वे धरती का सर्वाधिक समावेशी है।जातिवादी और अतिशय हिन्दू आग्रह को लेकर आलोचना करने वाले बुद्धिजीवी यह भूल जाते है कि जिस विमर्श की जमीन पर वे खड़े है वह बहुत ही अल्पकालिक और पूर्वाग्रही है औपनिवेशिक मानसिकता उस पर हावी रही है।वे बहुत्व में एकत्व की बात थोप नही रहे थे बल्कि जगत के मूल तत्व को उद्घाटित कर रहे थे।वैदिक विमर्श या उपनिषदों के सार गीता में अगर हिन्दू शब्द नही है तो इसके मूल को समझना होगा कि उस दौर में न इस्लाम था न ईसाइयत या आज के।अन्य मत जाहिर है तब हिंदुत्व का प्रश्न कहाँ से आता?इसलिए अपने समकालीन विमर्श में स्वामी जी ने हिन्दू और हिन्दुत्व के रूपक से वैदिक भाव को पुनर्प्रतिष्ठित किया है तो यह स्वाभाविक ही है।विवेकानंद एक सन्यासी समाजसुधारक भी थे वे सच्चे समाज सुधारक और सामाजिक न्याय के अद्वितीय अधिष्ठाता भी थे।उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत का भविष्य कमजोर जातियों के हाथों में होगा वे अक्सर कहते थे कि मैं पुरातनपंथी और परम्परानिष्ठ हिन्दू नही हूँ।वे कहते रहे कि कुछ लोगों को स्नातक बनाने से राष्ट्र की भित्ति खड़ी नही होगी उसके लिए जन साधारण को शिक्षित करना होगा।उन्होंने कहा कि वे जिस आध्यत्मिकता की बात कर रहे है वह भूखे पेट या निरक्षरता के अंधकार में संभव नही है।वे पश्चिम जैसी शक्तिशाली भौतिक प्रगति और वेदांती चेतना के पैरोकार थे।असल में विवेकानंद भारतीय राष्ट्रवाद के आदि सिद्धांतकार है उन्होंने जिस भविष्य को रेखांकित किया था वह आज भारत मे आकार ले रहा है।सामाजिक न्याय और कमजोर जातियों के प्रभुत्व को आज हम संघ की अहर्निश कार्यनीति में खूबसूरती के साथ समायोजित होते देख रहे है। संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर और मौजूदा प्रधानमंत्री तो जीवन के आरम्भिक दौर में रामकृष्ण मिशन के लिए ही समर्पित होकर काम करना चाहते थे।दोनों के व्यक्तित्व में स्वामी जी अमिट छाप है।लेकिन वामपंथी लेखक अक्सर यही प्रचार करते है कि दोनों को मिशन ने अपने यहां शामिल नही किया जबकि मिशन ने आज तक इस दावे का खंडन नही किया है।आज संघ के सतत प्रयासों से दुनियां में हिन्दुत्व का विचार स्वीकार्यता पा रहा है ,भारत की बहुसंख्यक चेतना में हिन्दुत्व का स्वत्व और गौरवभाव सुस्थापित हो रहा है तब एक प्रायोजित अभियान स्वामीजी के विरुद्ध खड़ा करने का प्रयास भी नजर आ रहा है।खासतौर से भारत की विविधता और बहुलता के मध्य एकत्व की धारणा मजबूत हुई है।यह एकत्व हिन्दुत्व ही है जो सबको अपनी अंतःकरण की आजादी के साथ उस एकत्व भाव की ओर उन्मुख करता है जिसका अंत सत्य की खोज पर जाता है।सत्य ही वेदांत का गन्तव्य है।

मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर आर्थिक युद्ध

डॉ. नीलम महेंद्र
लेखक

धर्म अथवा पंथ जबतक मानव के व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बनने तक सीमित रहे, वो उसकी आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बन कर उसमें एक सकारात्मक शक्ति का संचार करता है। लेकिन जब वो मानव के व्यक्तिगत जीवन के दायरे से बाहर निकल कर समाज के सामूहिक आचरण का माध्यम बन जाता है तो वो समाज में एक सामूहिक शक्ति का संचार करता है। लेकिन यह कहना कठिन होता है कि समाज की यह समूहिक शक्ति उस समाज को सकारात्मकता की ओर ले जाएगी या फिर नकारात्मकता की ओर। शायद इसीलिए कार्ल मार्क्स ने धर्म को जनता की अफीम कहा था।

दरसअल पिछले कुछ समय से मजहबी मान्यताओं के आधार पर विभिन्न उत्पादों का हलाल सर्टिफिकेशन राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में है। हाल ही में योरोपीय महाद्वीप के देश बेल्जियम में हलाल मीट और कोशर मीट पर एक अदालती फैसला आया है। पशु अधिकारों को ध्यान में रखते हुए योरोपीय संघ की अदालत ने बिना बेहोश किए जानवरों को मारे जाने पर लगी रोक को बरकरार रखा है। इसका मतलब यह है कि बेल्जियम में किसी भी जानवर को मारने से पहले उसे बेहोश करना होगा ताकि उसे कष्ट ना हो। योरोपीय संघ की अदालत के इस फैसले ने योरोपीय संघ के अन्य देशों में भी इस प्रकार के कानून बनने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर बेल्जियम के मुसलमान और यहूदी संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर अगर बात करें तो यह चर्चा में इसलिए है कि अप्रैल 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें कोविड महामारी के मद्देनजर हलाल मीट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी जिसे कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अदालत लोगों की भोजन करने की आदतों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

इसी से संबंधित ताजा मामला दक्षिण दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन के अंतर्गत आने वाले होटलों के लिए लागू किए गए एक नियम का है जिसमें दिल्ली के ऐसे होटल या मीट की दुकान जो दक्षिण दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन के अंतर्गत आते हैं उन्हें अब हलाल या झटका का बोर्ड दुकान के बाहर लगाना अनिवार्य होगा। दरसअल एस डी एम सी की सिविक बॉडी की स्टैंडिंग कमेटी ने एक प्रस्ताव पास किया जिसमें लिखा है कि हिन्दू और सिख के लिए हलाल मीट खाना वर्जित है। इससे पहले क्रिसमस के दौरान केरल के ईसाइयों ने भी हलाल मांस के विरोध में प्रदर्शन किया था। इस मामले में क्रिश्चियन असोसिएशन ऑफ चर्च के ऑक्सीलरी फॉर सोशल एक्शन ने ईसाइयों से एक अपील भी की थी जिसमें हलाल मांस को उनके धार्मिक लोकाचार के खिलाफ होने के कारण इन्हें खाद्य पदार्थों के रूप में खरीदने से मना किया गया था।

मजहब के नाम पर जिस हलाल पर विश्व भर में हायतौबा मची हुई है पहले थोड़ा उसे समझ लेते हैं।

हलाल दरसअल एक अरबी शब्द है जिसका उपयोग कुरान में भोजन के रूप में स्वीकार करने योग्य वस्तुओं के लिए किया गया है। इस्लाम में आहार संबंधी कुछ नियम बताए गए हैं जिन्हें हलाल कहा जाता है। लेकिन इसका संबंध मुख्य रूप से मांसाहार से है। जिस पशु को भोजन के रूप में ग्रहण किया जाता है उसके वध की प्रक्रिया विशेष रूप से बताई गई है। इसी के चलते मुस्लिम देशों में सरकारें ही हलाल का सर्टिफिकेट देती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो मीट वहाँ परोसा जा रहा है वो उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुरूप है।

हमारे देश में भी भारतीय रेल और विमानन सेवाओं जैसे प्रतिष्ठानों से लेकर फाइव स्टार होटल तक हलाल सर्टिफिकेट हासिल करते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि जो मांस परोसा जा रहा है वो हलाल है। मैकडोनाल्ड डोमिनोज,जोमाटो जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां तक इसी सर्टिफिकेट के साथ काम करती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे देश में यह सर्टिफिकेट सरकार द्वारा नहीं दिया जाता। दरसअल भारत में अलग अलग वस्तुओं के लिए अलग अलग सर्टिफिकेट का प्रावधान है जो उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। जैसे औद्योगिक वस्तुओं के लिए आईएसआई मार्क,कृषि उत्पादों के लिए एगमार्क, प्रॉसेस्ड फल उत्पाद जैसे जैम अचार के लिए एफ्पीओ, सोने के लिए हॉलमार्क, आदि। लेकिन हलाल का सर्टिफिकेट भारत सरकार नहीं देती है। भारत में यह सर्टिफिकेट कुछ प्राइवेट संस्थान जैसे हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमायत उलमा ए हिन्द हलाल ट्रस्ट आदि।

अभी तक देश से निर्यात होने वाले डिब्बाबंद मांस के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले खाद्य उत्पादन निर्यात विकास प्राधिकरण को हलाल प्रमाणपत्र देना पड़ता था क्योंकि दुनिया के अधिकांश मुस्लिम देश हलाल मांसाहार ही आयात करते हैं।लेकिन यह बात जितनी साधारण दिखाई दे रहे है उससे कहीं अधिक पेचीदा है। क्योंकि तथ्य यह बताते हैं कि जो बात मजहबी मान्यताओं के अनुसार पशु वध के तरीके (हलाल) से शुरू हुई थी अब वो दवाईयों से लेकर सौंदर्य उत्पाद जैसे लिपस्टिक और शैम्पू, अस्पतालों से लेकर फाइव स्टार होटल, रियल एस्टेट से लेकर हलाल टूरिज्म और तो और आटा मैदा बेसन जैसे शाकाहारी उत्पादों तक के हलाल सर्टिफिकेशन पर पहुच गई है।

आयुर्वेदिक औषधियों के लिए भी हलाल सर्टिफिकेट ! ऐसा क्यों है? क्योंकि जो भी कंपनी अपना सामान मुस्लिम देशों को निर्यात करती हैं उन्हें इन देशों को यह सर्टिफिकेट दिखाना आवश्यक होता है। अगर हलाल फूड मार्किट के आंकड़ों की बात करें तो यह वैश्विक स्तर पर 19ः की है जिसकी कीमत लगभग 2.5 ट्रिलियन की बैठती है। आज मुस्लिम देशों में हलाल सर्टिफिकेट उनकी जीवनशैली से जुड़ गया है। वे उस उत्पाद को नहीं खरीदते जिस पर हलाल सर्टिफिकेट नहीं हो। हलाल सर्टिफिकेट वाले अस्पताल में इलाज, हलाल सर्टिफिकेट वाले कॉम्प्लेक्स में फ्लैट और हलाल टूरिज्म पैकेज देने वाली एजेंसी से यात्रा। यहाँ तक कि हलाल की मिंगल जैसी डेटिंग वेबसाइट।

अब प्रश्न उठता है कि उपर्युक्त तथ्यों के क्या मायने हैं। दरसअल जो बात एक सर्टिफिकेट से शुरू होती है वो बहुत दूर तक जाती है। क्योंकि जब हलाल माँस की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसे काटने की प्रक्रिया के चलते वो एक मुस्लिम के द्वारा ही कटा हुआ होना चाहिए। जाहिर है इसके परिणामस्वरूप जो हिन्दू इस कारोबार से जुड़े थे वो इस कारोबार से ही बाहर हो गए। इसी प्रकार जब हलाल सर्टिफिकेट मांस तक सीमित ना होकर रेस्टुरेंट या फाइव स्टार होटल पर लागू होता है तो वहाँ परोसी जाने वाली हर चीज जैसे तेल, मसाले चावल, दाल सबकुछ हलाल सर्टिफिकेट की होनी चाहिए। और जब यह हलाल सर्टिफाइड मांसाहार रेल या विमानों में परोसा जाता है तो हिदुओं और सिखों जैसे गैर मुस्लिम मांसाहारियों को भी परोसा जाता है।

ये गैर मुस्लिम जिनकी धार्मिक मान्यताएं हलाल के विपरीत झटका मांस की इजाजत देती हैं वो भी इसी का सेवन करने के लिए विवश हो जाते हैं। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात जो समझने वाली है वो यह कि इस हलाल सर्टिफिकेट को लेने के लिए भारी भरकम रकम देनी पड़ती है जो गैर सरकारी मुस्लिम संगठनों की झोली में जाति है। माँस से आगे बढ़ कर चावल आटा दालों कॉस्मेटिक जैसी वस्तुओं के हलाल सर्टिफिकेशन के कारण अब यह रकम धीरे धीरे एक ऐसी समानांतर अर्थव्यवस्ता का रूप लेती जा रही है जिस पर किसी भी देश की सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और इसलिए यह एक वैश्विक चिंता का विषय भी बनता जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई नेता जॉर्ज क्रिस्टेनसेन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हलाल अर्थव्यवस्ता का पैसा आतंकवाद के काम में लिया जा सकता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय लेखक नसीम निकोलस ने अपनी पुस्तक 'स्किन इन द गेम' में इसी विषय पर 'द मोस्ट इंटॉलरेंट विंस' (जो असहिष्णु होता है वो जीतता है) नाम का लेख लिखा है। इसमें उन्होंने यह बताया है कि अमरीका जैसे देश में मुस्लिम और यहूदियों की अल्पसंख्यक आबादी कैसे पूरे अमेरिका में हलाल मांसाहार की उपलब्धता मुमकिन करा देते हैं। अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और योरोप के देश इस बात को समझ चुके हैं कि मजहबी मान्यताओं के नाम पर हलाल सर्टिफिकेट के जरिए एक आर्थिक युद्ध की आधारशिला रखी जा रही है जिसे हलालोनोमिक्स भी कहा जा रहा है।

यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया की दो बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी केलॉग्स और सैनिटेरियम ने अपने उत्पादों के लिए हलाल सर्टिफिकेट लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उनके उत्पाद शुद्ध शाकाहारी होते हैं इसलिए उन्हें हलाल सर्टिफिकेशन की कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में राष्ट्रवाद की बात करने वाले बाबा रामदेव तक अपने शाकाहारी औषधीय उत्पादों का हलाल सर्टिफिकेशन करवाने के लिए मुस्लिम संगठनों को भारी भरकम फीस देते हैं। जब कारोबारी नफा नुकसान के आगे एक योगी की देशभक्ति कमजोर पड़ जाती है तो फिर एक आम आदमी की बिसात ही क्या। आज के युग में जब युद्ध हथियारों के बजाए अर्थव्यवस्ताओं के सहारे खेला जाता है तो योद्धा देश की सेना नहीं देश का हर नागरिक होता है। इसलिए हलाल के नाम पर एक आर्थिक युद्ध की घोषणा तो की जा चुकी है चुनाव अब आपको करना है कि इस युद्ध में सैनिक बनना है या फिर मूकदर्शक।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री 1 फरवरी को कलेक्टर्स कांफ्रेंस में करेंगे समीक्षा

माही की गूंज, खरगोन। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान 1 फरवरी को प्रातः 11 बजे से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिरीक्षकों के साथ समीक्षा करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान मिलावट से मुक्ति अभियान के क्रियान्वयन, वनाधिकार पट्टों के वितरण, धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन की समीक्षा एवं आगामी गेहूं उपार्जन अग्रिम तैयारियों के विषय में चर्चा करेंगे। इसके अलावा नवीन गौण खनिज नियमों के क्रियान्वयन एवं खनिज पट्टों की स्वीकृति के संबंध में, जल जीवन मिशन एवं अटल भूजल योजना, कानून व्यवस्था माफिया के विरूद्ध कार्यवाही तथा महिलाओं, बेटियों एवं कमजोर वर्गो के विरूद्ध अपराधों के संबंध में चर्चा करेंगे।

11 विषय विशेषज्ञों ने प्रश्न बैंक किया तैयार

माही की गूंज, खरगोन। जिले में शिक्षा गुणवत्ता बढाने के प्रयास के लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी के मार्गदर्शन दिए गए। उसी कड़ी में शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन के लिए परीक्षा उपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्नों का संकलन प्रश्न बैंक के माध्यम से कक्षा 10 वीं के समस्त विषयों को सम्मिलित करते हुए बनाई गई है, इस कार्य में शासकीय उमावि बलकवाडा प्राचार्य दिलीप करपे एवं सहायक संचालक एमएल जैन के मार्गदर्शन में 11 विषय विशेषज्ञों ने प्रश्न बैंक तैयार किया है। जिला शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे ने बताया की इस प्रश्न बैंक में प्रत्येक विषय के 100-100 महत्वपूर्ण प्रश्नों को शामिल किया गया है, जो विद्यार्थी को परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। यह प्रश्न बैंक प्रत्येक शाला को 2 सेट के रूप प्रदान किए जाएंगे, शाला के विषय शिक्षक प्रतिदिन 5-5 प्रश्नों को समझाकर उनके उत्तर लिखवाएंगे एवं बच्चों से याद कराएंगे, इस प्रकार कक्षा 10 के समस्त विद्यार्थियों के पास प्रत्येक विषय के 100 प्रश्न एवं उनके उत्तर का संकलन हो जाएगा।

16 जनवरी तक आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

माही की गूंज, खरगोन। प्रदेश के सरकारी व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रिक्त 8 हजार 363 सीटों पर आवेदन 16 जनवरी तक किए जा सकते हैं, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा आईटीआई में फिर से प्रवेश प्रक्रिया 6 जनवरी से प्रारंभ की गई है। प्रवेश के लिए मेरिट सूची 14 जनवरी को जारी की जाएगी। आवेदक 15 जनवरी को संबंधित आईटीआई में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे, इसी दिन अभ्यार्थियों की मेरिट सूची दोपहर 3 बजे जारी की जाएगी।

नवीनीकरण के लिए प्रमोट करने की अंतिम तिथि हुई 20 जनवरी

माही की गूंज, खरगोन। समस्त शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं निजी अशासकीय महाविद्यालयों द्वारा विद्यार्थी की अर्हता का परीक्षण कर, स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के लिए संबंधित विश्वविद्यालय के पोर्टल पर प्रमोट बाक्स पर क्लिक कर विद्यार्थी को अगली कक्षा में प्रावधिक प्रवेश के लिए प्रमोट करने के निर्देश जारी किए गए थे। अब नवीनीकरण के लिए प्रमोट करने की तिथि में एक बार पुनः वृद्धि की गई है। स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर प्रवेश नवीनीकरण के लिए प्रमोट करने की अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित की गई है। इस आशय के निर्देश उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. धीरेंद्र शुक्ल ने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यो को जारी किए है। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन प्रमोट पर विद्यार्थी 25 जनवरी तक ऑनलाईन शुल्क जमा करने की कार्रवाई पूर्ण करें।

महिलाओं के विरूद्ध अपराधों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान

माही की गूंज, बड़वानी। जिले के पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरडी प्रजापति के सहयोग से जिले में सम्मान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में महिलाओं के विरूद्ध अपराधों की रोकथाम हेतु महिला सम्मान जागरूकता अभियान पर एक पीपीटी दिखाने का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों की जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम ने कहा कि, मुख्यमंत्री जी के द्वारा महिला सम्मान कार्यक्रम हमारी बेटियों को सुरक्षा हेतु जागरूक करेगा एवं जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित कार्यक्रम पूरे जिले के महाविद्यालयों में सफलता पूर्वक चलाया जाएगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वंदना भारती, डॉ. कविता भदौरिया, डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा, डॉ. मनोज वानखेड़े, डॉ. विक्रम सिंह चौहान, डॉ. कुँवर सिंह चौहान, डॉ. महेश कुमार निंगवाल, डॉ. दिनेश सोलंकी, डॉ. सुनीता भायल, प्रो. प्रियंका शाह, प्रो. कामना भायल, प्रो. रविन्द्र गंगराड़े, अरशद खान एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

मुख्य समारोह में नहीं होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्कूलों में विद्यार्थियों के बगैर होगा झंडावंदन

माही की गूंज, खरगोन।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर पूर्व की भांति सभी स्कूलों व कार्यालयों में झंडावंदन होगा, लेकिन इस बार स्कूली विद्यार्थी शामिल नहीं हो सकेंगे। कोविड-19 को देखते हुए राज्य सरकार ने 26 जनवरी की तैयारियों के लिए निर्देश जारी कर दिए है। इसी की तैयारियों के मद्देनजर बुधवार को स्वामी विवेकानंद सभागृह में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए, राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार मुख्य समारोह में स्कूली विद्यार्थी शामिल नहीं होंगे, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित नहीं किए जाएंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर एमएल कनेल, बीएस सोलंकी, रक्षित निरीक्षक श्रीमती रेखा रावत, एएसपी जितेंद्रसिंह पंवार, डॉ. नीरज चौरसिया, एसडीओपी रोहितसिंह अलावा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुशासनात्मक हुई कार्रवाई सेवकों का नहीं होगा सम्मान

बैठक में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह ने निर्देश दिए कि, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों का सम्मान किया जाता है। अब ऐसे शासकीय सेवकों का सम्मान 26 जनवरी के अवसर पर नहीं किया जाएगा, जिन पर पूर्व में किसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई और दंडात्मक कार्यवाही की गई है।

स्वतंत्रता व लोकतंत्र सेनानियों को घर जाकर करेंगे सम्मानित

सामान्य प्रशासन विभाग ने कोविड-19 संक्रमण को ध्यान में देखते हुए समस्त कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि, जिले की स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व लोकतंत्र सेनानियों को उनके घर जाकर शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित करेंगे। वहीं इस बार परेड में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाईड व शौर्य दल शामिल नहीं होंगे। झांकियां निकाली जाएगी और गुब्बारे उड़ाएं जाएंगे। जिला पंचायत, जनपद व ग्राम पंचायत कार्यालयों में प्रशासनिक समिति प्रधान द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

नवीन कलेक्टर भवन सुव्यवस्थित व विधिवत रूप से संचालन के लिए समिति गठित

माही की गूंज, खरगोन। नव निर्मित कलेक्टोरेट भवन, जो बनकर पूर्ण तैयार हो चुका है, इस भवन में कलेक्टर कार्यालय एवं अन्य अधिकृत कार्यालयों को स्थानांतरित कर शीघ्र ही भवन संचालन कार्य चालू किया जाएगा। भवन में कलेक्टर कार्यालय एवं अन्य अधिकृत समस्त कार्यालयों का संचालन सुव्यवस्थित एवं विधिवत रूप से हो इसके लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी ने समिति का गठन किया हैं, इस समिति में स्वयं कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह अध्यक्षत होंगी, वहीं अपर कलेक्टर सचिव एवं नजारत शाखा कलेक्टोरेट के प्रभारी अधिकारी कोषाध्यक्ष होंगे, जबकि जिला कोषालय अधिकारी, आपूर्ति अधिकारी, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, श्रम अधिकारी, खनिज अधिकारी तथा जिला एवं सांख्यिकी अधिकारी सहित 8 अन्य विभागों के अधिकारी सदस्य होंगे।

कहा था पेड़ की छटाई का और कर दी कटाई, बिना आदेश के कर्मचारियों की मनमानी

माही की गूंज, रतलाम।

जावरा में खारीवाल कांलोनी के रहवासियों द्वारा बगीचे व पेड़ की छटाई को लेकर एक आवेदन दिया गया था, आवेदन में रहवासियों द्वारा बगीचे की छटाई का जिक्र किया था। लेकिन नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा हरे भरे पेड़ को काट दिया गया। यह जावरा का पहला मामला नहीं है, पहले भी कई बार कर्मचारियों द्वारा पेड काट दिए गए, वही नगर पालिका के कर्मचारी का कहना है, इसमें अधिकारियों का कोई दोष नहीं है पेड़ झुक गया था इसलिए हमारे द्वारा काटा गया, लेकिन यह किस हद तक सही है कि, बिना परमिशन के ही काट दिया गया। एक तरफप्रदूषण को लेकर हर अधिकारी पेड़ लगाने की समझाइश दे रहा है, ताकि प्रदूषण ना फैले वहीं कर्मचारियों की मनमानी आखिर कब तक चलती रहेगी या फिर ऐसे ही कटते रहेंगे पेड! क्या इस खबर का पड़ेगा अधिकारियों पर कोई असर होगी उचित कार्रवाई या ऐसे ही चलता रहेगा यह सिलसिला।

बुजुर्ग महिला की थाना प्रभारी ने जमीन पर बैठकर सुनी समस्या, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

माही की गूंज , रतलाम।

जावरा औधोगिक थाने में 70 साल की बुजुर्ग महिला पारिवारिक झगड़े से परेशान होकर थाने पहुंच गई, जब थाना प्रभारी ने देखा कि, बुजुर्ग महिला अपने पैरों पर खड़ी नही हो पा रही तो वो खुद जमीन पर बैठ गए और महिला की पूरी समस्या सुनी। महिला ने बताया कि, मेरे बेटे की मृत्यु हो गई और बहू रोज लड़ाई झगड़े करती है, थाना प्रभारी ने पूरी बात सुनी और थाने पर उस बहु को तुरंत बुलाया और समझाइस दी और दोनों को घर भेज दिया। बुजुर्ग महिला से जिस तरह से थाना प्रभारी ने बात की उनका ये अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ जिस पर थाना प्रभारी की प्रशंसा भी हो रही है।

कोविड-19 के वैक्सीनेशन हेतु नियुक्त जोनल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में शासन के निर्देश अनुसार 3 चरणों में चलने वाले कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान के दौरान वैक्सीनेशन स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य की सतत मॉनिटरिंग एवं समीक्षा करने हेतु कलेक्टर द्वारा नियुक्त 16 जोनल अधिकारियों को बुधवार को जिला चिकित्सालय में प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी पाटी, बड़वानी, राजपुर, ठीकरी, सेंधवा, वरला, पानसेमल, खंड शिक्षा अधिकारी बड़वानी, राजपुर, ठीकरी, सेंधवा, निवाली, पानसेमल, बीआरसी राजपुर, डीपीसी बड़वानी, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक बड़वानी, को प्रशिक्षित किया गया है।

जिला स्तरीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता 23 जनवरी से

माही की गूंज, झाबुआ।

खेल और युवा कल्याण विभाग तथा बैडमिन्टन मार्निंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 25 जनवरी के मध्य बहुउद्देशीय खेल परिसर में किया जा रहा हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता महिला तथा पुरूष वर्ग के लिए आयोजित की जा रही हैं। जिले की महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क रहेगी तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कोई भी महिला भाग ले सकती हैं। आयु सीमा का कोई बंधन नहीं हैं। पुरूष वर्ग के लिए जिला स्तरीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के समस्त शासकीय विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा व्यापारी वर्ग भाग ले सकते हैं। भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी, जो झाबुआ शहरी के क्षेत्र के निवासी हो उनके लिए खेल परिसर में पंजीयन करवाना अनिवार्य हैं, खेल परिसर में पंजीयन की रसीद दिखाने पर ही प्रतियोगिता में प्रवेश दिया जाएगा। जिला स्तरीय बैडमिन्टन खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी कार्यालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.30 बजे के मध्य जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, कार्यालय झाबुआ में पंजीयन करवा सकते हैं।

महिलाओं की जागरूकता के लिए वितरित किए पेंपलेट

माही की गूंज, खरगोन। जिले में 11 जनवरी से 26 जनवरी तक महिलाओं के सम्मान के प्रति महिला जन जागरूकता अभियान प्रारंभ हुआ है, अभियान के अंतर्गत बुधवार को थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले व यातायात प्रभारी मुकेश हायरी सहित टीम द्वारा शहर के बस स्टैंड पर महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पेंपलेट वितरित किए। साथ ही महिलाओं के अधिकारों और बालिकाओं के साथ छेड़खानी करने वाले लोगों की जानकारी पुलिस को बताने आदि के बारे में महिलाओं से चर्चा भी की।

स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत एवं आदर्श हैं

रातीतलाई स्कूल में मनाई गई विवेकानंद जयंती

माही की गूंज, झाबुआ।

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर हायर सेकेण्डरी स्कूल रातीतलाई स्कूल में मंगलवार को विधिक साक्षरता तथा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला तथा सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण के सचिव, अपर जिला न्यायाधीश राजेश देवलिया के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला जज देवलिया ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालते डाला। उन्होने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत तथा आदर्श हैं। स्वामी जी एक अध्यात्मिक गुरू व समाज सुधार थे, जिन्होनें अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए सनातन धर्म तथा वेदांत दर्शन का प्रसार पूरे विश्व में किया। आयोजन में निरूशुल्क विधिक सहायता, बालकों के अधिकार, संवैधानिक कर्तव्य आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव प्रज्ञानन, न्यायिक मजिस्ट्रेट राजकुमार चौहान, संस्था प्राचार्य रविन्द्र सिंह सिसौदिया ने भी संबोधित किया। बच्चों को कोरोना संक्रमण रोकथाम तथा बचाव के उपाय भी बताए गए। बच्चों को शारीरिक दूरी का पालन करने तथा भीड़-भाड़ से बचने की समझाईश दी गई। कार्यक्रम का संचालन हिना कोठारी ने किया। उप प्राचार्य सुरेखा पाठक ने आभार माना। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र, शिक्षक-शिक्षिका, स्टॉप तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के कर्मचारी उपस्थित थे।

केशरिया सत्संग ग्रुप ने की गौ-सेवा

माही की गूंज, झाबुआ।

वर्ष 2021 की प्रथम एकादशी पर केशरिया सत्संग ग्रुप झाबुआ द्वारा स्थानीय लक्ष्मीनगर स्थित सद्गुरू गौशाला में गौ सेवा का आनंद लिया गया। केशरिया सत्संग ग्रुप से जुड़ी तथा रजक महासंघ की प्रदेश महिला उपाध्यक्ष चेतना चौहान ने बताया कि नववर्ष की प्रथम एकादशी पर गौ-माताओं की सेवा करने से बड़ा ओर कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता है। इस हेतु केशरिया सत्संग ग्रुप ने इस दिन सभी गौ-माता की पूजन कर उन्हें गौ-आहार के रूप में हरी सब्जीयां खिलाई।

प्रपोजल के सत्यापन में आ रही समस्या को देखते हुए निर्देश किए जारी

माही की गूंज, खरगोन।

वर्तमान में कोविड-19 वायरस के संक्रमण के कारण अशासकीय शालाओं की सत्र 2019-20 की फीस प्रतिपूर्ति के लिए अशासकीय स्कूलों द्वारा प्रपोजल तैयार करने में तथा नोडल अधिकारियों को प्रपोजल के सत्यापन में समस्या आ रही है। इस आपदा परिस्थितियों के कारण सत्र 2019-20 की फीस प्रतिपूर्ति के संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र के आयुक्त लोकेश कुमार जाटव ने समस्त कलेक्टर को निर्देश जारी किए है। उन्होंने कहा कि, सत्र 2019-20 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क अध्ययनरत बच्चों की संख्या एवं अशासकीय स्कूल द्वारा अन्य बच्चों से ली जाने वाली फीस अथवा शासन का इस वर्ष का प्रति छात्र व्यय राशि 5 हजार 116 रूपए इनमें से जो भी कम हो, के मान से पात्रतानुसार की जाने वाली फीस प्रतिपूर्ति की 20 प्रतिशत राशि संबंधित गौर अनुदान एवं मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों को अग्रिम रूप से जारी की जाएं। इस प्रयोजन के लिए जिला शिक्षा केंद्र में पूर्व वर्ष से ही प्रायवेट स्कूल का बैंक डिटेल यथा ब्रांच का नाम, खाता नंबर एवं आईएफएसी कोड की जानकारी उपलब्ध है। जिले से 20 प्रतिशत राशि पात्रतानुसार इन प्रायवेट स्कूलों के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएं।

जिला शिक्षा केंद्र को 96 करोड़ रूपए की राशि की प्रेषित

आयुक्त जाटव ने कहा कि, सत्र 2019-20 की फीस प्रतिपूर्ति के प्रायोजन के लिए राज्य शिक्षा केंद्र से जिला शिक्षा केंद्र को 96 करोड़ रूपए की राशि प्रेषित की जा चुकी है। सत्र 2019-20 की फीस प्रतिपूर्ति प्रपोजल अशासकीय स्कूल के माध्यम से आरटीई पोर्टल पर ऑनलाईन प्राप्त होने पर इस अग्रिम प्रदत्त राशि को समायोजित करते हुए शेष देय राशि का भुगतान संबंधित अशासकीय स्कूल को नियमानुसार किया जाएं। आयुक्त जाटव ने कलेक्टर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि, इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए 15 जनवरी तक समस्त संबंधित अशासकीय स्कूलों को सत्र 2019-20 की फीस प्रतिपूर्ति के लिए कुल आंकलित राशि की 20 प्रतिशत राशि अग्रिम के रूप में जारी करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

ट्रेप्ट इन कॉटन के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

माही की गूंज, बड़वानी।

युवा समाज में परिवर्तन के सूत्रधार होते हैं। उक्त बातें सेव द चिल्ड्रन व निवसीड संस्था द्वारा संचालित परियोजना ट्रेप्ट इन कॉटन के तहत आयोजित युवा समूह के सदस्यों के एक दिवसीय प्रशिक्षण में सेंधवा एसडीएम सुश्री तपस्या परिहार ने कही।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेव द चिल्ड्रन संस्था के मनीष गुप्ता ने एसडीएम को संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि, किस प्रकार संस्था बच्चों के अधिकार और संरक्षण के लिए निरंतर कार्यरत हैं। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों और आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने युवाओं को वित्तीय प्रबंधन, जीवन कौशल, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। जिससे युवा अपने गांव में जाकर बच्चों से संबंधित अधिकारों व मुद्दों पर चर्चा कर सकें।

शिक्षा विभाग में जारी सेटिंग का खेल

वर्षों से जमें प्राचार्य हटे, तो वरिष्ठ को छोड़कर जूनियर को दिया चार्ज

बीईओ के चार्ज की चल रही सेटिंग, स्थान्तरण के बाद भी अब तक कार्यमुक्त नही हुआ बीईओ गुप्ता

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

शिक्षा विभाग में वर्षो से जमे हुए प्राचार्यो का ट्रांसफर क्या हुआ विभाग के अधिकारियों ओर विभाग के बहार सक्रिय दलालों की भीड़ उमड़ने लग गई। विकास खण्ड के तीन प्राचार्य सहित बीईओ का प्रशानिक स्थान्तरण किया गया था लेकिन अब तक दो संस्था के प्राचार्यो को कार्यमुक्त किया गया है, लेकिन पेटलावद बीईओ आर गुप्ता और मॉडल स्कूल प्राचार्य हिरजी निनामा को सहायक आयुक्त झाबुआ द्वारा अब तक कार्यमुक्त नही किया गया, ये दोनों अधिकारी अपना स्थान्तरण निरस्त करवाने की जुगाड़ में लगे हुम है।

मिली जानकारी अनुसार एक प्राचार्य की साहब से पटरी बैठ गई है और उनके स्थान्तरण को निरस्त करने के लिए साहब ने पत्र लिखकर भी दे दिया है, दूसरी ओर प्रभारी प्राचार्य फिलहाल मेडिकल लिव पर उतर गए ताकि मूल संस्था बरवेट का प्राचार्य उन्हें कार्यमुक्त नही कर सके। अब देखना है कि, मंत्रालय से सीधे हुए आदेश के बाद ये जमे हुए अधिकारी हटते है या साहब ओर अधिकारियों की भेंट-पूजा कर यहीं टिकने में कामयाब हो जाते है।

चार्ज के भी हो गए सौदे, सीनियर को छोड़ जूनियर को दिया चार्ज

विभाग में फैला भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि, जिले के अधिकारी अपने वरिष्ठ विभाग आयुक्त और नियमों को ताक में रखकर काम कर रहे है। उत्कृष्ट विद्यालय पेटलावद से पीटर रिबोलो और कन्या पेटलावद के उंकार मैडा की रवानगी के बाद संस्था में मौजूद सीनियर को नियमानुसार चार्ज दिया जाना था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियो ने नियमो को ताक में रखकर जूनियर शिक्षकों को संस्था की चाबी थमा दी, इसी के साथ विभागीय गलियारों में बड़ी लेन-देन और सेटिंग की चर्चोओ का दौर गर्म हो गया है।

उत्कृष्ट विद्यालय पेटलावद में वर्ग 1 की शिक्षिका सरिता ओझा को चार्ज दिया गया जबकि संस्था में वरिष्ठ व्याख्याता 90 के दशक से मौजूद है, मामले में वरिष्ठ व्याख्याता मालवीय से चर्चा की तो, उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया और कहा कि, मुझे कोई आदेश नही मिला है अगर आदेश मिलेगा तो पालन करूंगा।

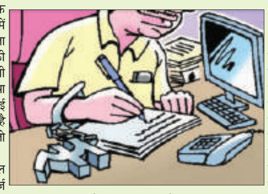

कन्या विद्यायल पेटलावद का भी चार्ज संस्था में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक बाबूलाल चौहान की बजाए वर्ग 2 की शिक्षिका लता असोलिया को दे दिया गया, जबकि नियमानुसार बाबूलाल चौहान को चार्ज दिया जाना था, मामले में शिक्षक बाबूलाल चौहान से भी संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन संपर्क नही हो सका।

जामली में प्राचार्य का पद रिक्त होने के बाद मिली जानकारी अनुसार अब वहां भी प्राचार्य बनने के लिए तीन से चार शिक्षकों ने आवेदन किए है जिस परिपाटी से प्रभार दिए जा रहे है उससे तय है कि, अन्य संस्थाओं की तरह यहां भी सही दाम देने वाला ही प्रभार लेने में कामयाब होगा। विभाग अपनी एक बार हुई गलती से भी सबक लेने को तैयार नही है, इससे पहले भी थांदला उत्कृष्ट विद्यालय में जुनियर को चार्ज देने पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी जिसके बाद चार्ज संस्था के हेडमास्टर को देना पड़ा था।

मामले में सहायक आयुक्त झाबुआ प्रशांत आर्य का कहना है, प्राचार्य के प्रभार कि जो भी कार्रवाई की गई वो नियमानुसार है जिनकी पहले से शिकायते थी उनको प्रभार नही दिया गया। वहीं बीईओ को कार्यमुक्त नही करने पर सहायक आयुक्त का कहना है कि, वर्तमान में कोई नही है जिसे चार्ज दिया जा सके, सीनयरिटी के हिसाब से प्राचार्य हुकु को चार्ज देना है लेकिन उनकी पहले से कई शिकायतें है, बाहर से नए प्राचार्यो और अधिकारियों के आने की संभावना है इसलिए व्यवस्था बनाए रखने के लिए पेटलावद बीईओ को कार्यमुक्त नही किया है, जल्द ही कार्य मुक्त कर दिया जाएगा।

प्राचार्य नही बीईओ बन कर जाना चाहता है राकेश गुप्ता

खण्ड शिक्षा अधिकारी पेटलावद राकेश गुप्ता स्थान्तरण के एक माह बाद भी यही जमे हुए है, निलंबन खत्म कर बीईओ बनकर आए गुप्ता को अब प्राचार्य के पद पर भेजा गया है। बताया जा रहा है कि, गुप्ता यहां से जाना तो चाहता है लेकिन बीईओ के पद पर ही आस-पास के जिले में ट्रांसफर करने की जुगाड़ में लगा हुआ है। वही बीईओ पद के खाली होने पर कुछ प्राचार्य ताक लगाए बैठे हुए है जो पद के लिए चांदी का जूता अधिकारीयो को मारने के लिए भी तैयार है, अगर यहां भी पद की खरीद-फरोख्त हुई तो सीनियर को छोड़कर किसी जूनियर को भी बीईओ पद का प्रभार दिया जा सकता है। बहरहाल कुछ भी हो स्थान्तरण के इस खेल को हर कोई अवसर की तरह देखकर पैसा कमाने का जरिया बनाने में जुटा हुआ है।

सरकार को बदनाम करने से नही चूक रहे

15 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद वर्षो से जमे अधिकारीयो के स्थान्तरण से न केवल विभाग में बल्कि आमजन ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया था। लेकिन जिले में बैठे जनप्रतिनिधि अपनी साख दिखाने और पैसा कमाने के लिए विभाग के अधिकारियों को दबाव में लेकर भ्रष्टाचार की गंगा में गोते लगवाकर सरकार को बदनाम करने में भी नही चूक रहे है।

अन्नपुर्णा का ढकोसला, गरिबों का नहीं मिल रहा खाद्यान्न

माही की गूंज, खवासा।

प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान गरीबों के लिए नई-नई योजना बना रहे है मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना भी इसमें शामिल है जिसमें शासन की योजना पर ग्रामीणों को राशन अभी भी उपलब्ध नहीं हो रहा है, मकोडिया, भामल आदि जगहों पर 2 माह से परेशान ग्रामीण इधर-उधर भटक रहे हैं। सेल्समैन का कहना है कि, आगे से राशन आएगा तो हम वितरित करेगें। वहीं आला अधिकारी का कहना है कि, एडजेस्टमेंट करके यहां भी राशन पहुंचाएगे तब गरीबों को राशन मिलेगा।

आयुष्मान कार्ड में लापरवाही बरतने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई-एसडीएम गर्ग

माही की गूंज, मेघनगर। कलेक्टर रोहित सिंह के आदेश पर जनपद पंचायत कार्यालय मेघनगर में आयुष्मान कार्ड संबंधित एसडीएम गर्ग द्वारा सीएससी संचालको की मीटिंग ली गई और कहा गया कि, प्रत्येक सीएससी कम से कम सौ कार्ड प्रतिदिन बनाएगें, लापरवाही करने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या उनकी आईडी को ब्लॉक कर दिया जाएगा। आयुष्मान कार्ड में रुचि न लेने पर, अच्छे प्रदर्शन न होने पर मेघनगर तहसील में पदस्थ शैलेंद्र पंवार के प्रति निराशा व्यक्त की और आदेश दिए कि, वह फील्ड में जाकर सभी जगह भ्रमण कर आयुष्मान कार्ड के कार्य में गति लाएंगे, अन्यथा आप के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

इसी को देखते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर की बैठक एवं मीटिंग ली गई ताकि आयुष्मान कार्ड के कार्य में अच्छे तरीके से प्रगति लाई जा सके। इन सभी को प्रतिदिन फील्ड में जाकर भ्रमण कर हर एक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए गए, इनमें महिला बाल विकास से वर्षा चौहान, जनपद पंचायत से रावत, ब्लॉक से प्रकाश पंडा, आईजीएम शैलेंद्र, पंवार राजा टॉक उपस्थित रहेगे।

पैदल संघ का हुआ भव्य नगर प्रवेश, पुष्पवर्षा कर किया पैदल संघ का स्वागत

माही की गूंज, बामनिया।

खेतलाजी के परम भक्तराज राजेंद्र शांतिलाल भंडारी के निर्देशन और खेतलाजी के परम भक्त व बामनिया तीर्थ के गादिपति विवेक लुणावत के सानिध्य में रतलाम जिले के शिवगढ़ खेतलाजी मंदिर से शुरू हुए दो दिवसीय पैदल संघ का नगर में बैंड-बाजों और ढोल-ढमाकों के साथ भव्य नगर प्रवेश हुआ, इस दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर पैदल संघ यात्रियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल वागरेचा, परामर्शदाता भंवरलाल बाफना, संरक्षक विवेक लुणावत, उपाध्यक्ष सुभाष तांतेड़, सहसचिव प्रवीण मेलिवार, मीडिया प्रभारी मयंक बाफना, ट्रस्टी पंकज मेहता, नीलेश कुमावत, राघव गर्ग, दीपक तांतेड़, सोहनलाल तलेरा, ऋषभ मेहता, जितेंद्र कंकरेचा, जोनी सुराणा, पूर्वा चौहान, राजेंद्र चौहान, अनुराग रायली, योगेश टांक, दीपक पंजाबी, पवन राठौर, सुभाष तांतेड़, सुमित तांतेड़, नीलेश पंवार, नीलेश नाहटा, कुश तांतेड़, अमित भंडारी, रितेश पंवार, सचिन लोहार, चीनू लाहौर, रोशन कुमरावत, प्रशांत पावेचा, मनीष तांतेड़, लक्ष्मण भूरिया, विजय भूरिया, महेंद्र मेहता, अजय मेहता आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेल्पलाईन की शिकायतों का तत्काल निराकरण करे- कलेक्टर सिंह

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर रोहित सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सिंह ने इस बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाईन तथा ऑन लाईन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वे लंबित शिकायतों का शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर संतुष्टि पूर्वक शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। अन्यथा शिकायतों का निराकरण समय पर नहीं करने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस बैठक में खाद्यी ग्रामोद्योग प्रबंधक अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इस बैठक में समयावधि पत्रों की भी विभागवार समीक्षा की गई और लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला अनिल भाना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, समस्त तहसीलदार उपस्थित थे।

भोई, ढीमर, केवट, कहार, मल्लाह को पिछड़ा वर्ग सूची से हट अनुसुचित जनजाति में शामिल करने की उठ रही मांग

माही की गूंज, शुजालपुर। शुजालपुर मांझी जनजाति के पर्याय केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर सन् 1950 में परिभाषित होने के बाद इन पर्याय को 1984 में पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल कर जनजाति के हितों से सरकार ने वंचित कर दिया। समुदाय लगातार इन जनजातियों को पिछड़ा वर्ग से हटाने की मांग कर रहा है।

संवैधानिक रूप से 7 जनवरी 1950 में माझी जनजाति के पर्याय केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर जनजाति को माना हैं, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति की सूची में माझी जनजाति क्रमांक 29 पर अंकित हैं, 1984 की मप्र सरकार ने 26 दिसम्बर 1984 को अनुसूचित जनजाति से पिछड़ा वर्ग सूची क्र. 12 पर मांझी, केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर को असंवैधानिक रूप से शामिल कर आदिवासी हितों से समुदाय को वंचित किया गया। मांझी जनजाति समुदाय की लगातार न्यायोचित मांग के बाद वर्ष 1992 में सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 12 से माझी जनजाति का हटा दिया गया लेकिन शेष जनजाति केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर को नहीं हटाया गया। 25 जून 2003 को प्रदेश सरकार की मंत्री परिषद के निर्णय में भी ढीमर, भोई, कहार, मल्लाह, केवट आदि को विलोपित करने के निर्णय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मप्र शासन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा गठित अध्ययन समिति के 6 अगस्त 2018 के निर्णय एवं आदिम जाति कल्याण विभाग मध्य प्रदेश का पत्र 18 दिसम्बर 2018 को मध्यप्रदेश माझी जनजाति के पर्याय केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर, कहार को न्यायोचित संवैधानिक रूप से पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 12 में परिभाषित कर दिया। जबकि मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 58 पर अंकित खेरवा जाति को खेरवार अनुसूचित जनजाति का पर्याय मानकर 9 अगस्त 2018 को हटा किया गया। विधानसभा उपचुनाव में शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, ओपी भदौरिया, प्रद्युमन सिंह तोमर अन्य विधायकों के ने कहा था कि, हमारी बहुमत वाली सरकार बनते ही पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 12 पर अंकित मांझी जनजाति की पर्याय केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर, कहार को पिछड़ा वर्ग से हटाने के आदेश जारी किए जाएंगे। लेकिन शिवराजसिंह चौहान ने विलोपित के आदेश जारी नहीं होने के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश के माझी जनजाति समुदाय में रोष व्याप्त है, मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि, नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के पूर्व पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 12 पर अंकित माझी जनजाति के पर्याय केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर, कहार को विलोपित करने के आदेश जारी किए जाए।

सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में संपन्न हुआ छात्र सम्मेलन

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी।

सरस्वती शिशु मंदिर खच्चरटोडी में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में स्कूल में पढाई पुरी कर चुके 142 पुर्व छात्र उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता श्री ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, आज सरस्वती शिशु मंदिर के कई पूर्व छात्र शासकीय, अशासकीय क्षेत्रों में अपनी एक पहचान बनाए हुए हैं, शिशु मंदिर से मिले संस्कारों और नैतिक शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं, इस सम्मेलन का उद्देश्य आपको विद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक प्रसार और समरसता के कार्यों में जोड़ना है। कार्यक्रम में ग्राम भारती मालवा प्रान्त से प्रादेशिक सह सचिव धनसिंह धनगर, प्रान्त प्रमुख मदनलाल राठौर, सह प्रान्त प्रमुख त्रिलोक तिरोले, जिला समिति कोषाध्यक्ष बाबूसिंह हाडा, जिला प्रमुख मोहन मुकाती उपस्थिति रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था स्कुल के पुर्व छात्रों द्वारा की गई।

एक विचार लो, उस विचार को अपना जीवन बना लो- राठौर

माही की गूंज, थांदला।

माध्यमिक विद्यालय बागड़िया फलियां पर पतंजलि युवा भारत द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया, इस अवसर पर युवा भारत के जिला प्रभारी राजू धानक, जिला योग प्रभारी जगमोहन सिंह राठौर, विद्यालय प्रभारी प्रियंका मैडा, राजू कटारा, कमला मालिवाड, रतन पलासिया, अलका मैडा ने महान वक्ता, विश्व धर्म महासभा का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्व में भारत का नाम रोशन करने वाले युवाओं के प्रेरणास्रोत, युथ के आदर्श नरेंद्र नाथ से महान स्वामी विवेकानंद जन्म जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर नमन किया।

राजू धानक ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, बहती हुई नदी की धारा ही स्वच्छ, निर्मल तथा स्वास्थ्यप्रद रहती है, उसकी गति अवरुद्ध हो जाने पर उसका जल दूषित व अस्वास्थ्यकर हो जाता है, नदी यदि समुद्र की ओर चलते-चलते बीच में ही अपनी गति खो बैठे, तो वह वहीं पर आबद्ध हो जाती है। प्रकृति के समान ही मानव समाज में भी एक सुनिश्चित लक्ष्य के अभाव में राष्ट्र की प्रगति रुक जाती है और सामने यदि स्थिर लक्ष्य हो, तो आगे बढ़ने का प्रयास सफल तथा सार्थक होता है।

कार्यक्रम में शिक्षाविद जगमोहन सिंह राठौर ने कहा कि, एक विचार लो. उस विचार को अपना जीवन बना लो, उसके बारे में सोचो उसके सपने देखो, उस विचार को जियो। अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, नसों, शरीर के हर हिस्से को उस विचार में डूब जाने दो और बाकी सभी विचार को किनारे रख दो। यही सफल होने का तरीका है। विद्यालय में ऑनलाइन पढाई की जानकारी लेने आए बच्चों को चाकलेट, टॉफी से मुंह मीठा कर कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजू कटारा ने किया व आभार कमला मालिवाढ माना।

जमीन तलाशती कांग्रेस के संगठन में फेर बदल के आसार, ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए नए नामों पर मंथन का दौर

ब्लाक अध्यक्ष पर भाजपा के संपर्क में होने और संगठन के लिए काम नही करने के लग रहे आरोप

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रदेश में सरकार के बदलते ही कांग्रेस की राजनीति के लिए अचानक सब कुछ बदल गया, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिंधिया और 24 विधायको के कांग्रेस छोड़ने के बाद से ही प्रदेश के कई हिस्सों से कांग्रेस नेताओं के भाजपा में जानी की खबरे आ रही है। झाबुआ जिले की राजनीति भी इससे प्रभावित रही है और कई कांग्रेसी भाजपा में चले गए या अपने पद और व्यवसाय को बचाने के लिए सिलेंडर हो गए, जिसके कारण कांग्रेस लगातार जमीनी स्तर से गायब होती जा रही है, जिसका एहसास कांग्रेस के स्थानीय बड़े नेताओं और संगठन को भी हो चुका है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कांतिलाल भूरिया के पुत्र विक्रांत भूरिया के प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस में एक नई जान आई है जिसको भुनाने की तैयारी में अब कांग्रेस का संगठन दिख रहा है।

जिले मे कमजोर होती कांग्रेस को बड़ा नुकसान पेटलावद विधानसभा क्षेत्र से हो रहा है यहां के कई नेता पहले भी कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो चुके है और सरकार बदलने के बाद कुछ और मजबूत खम्बे भी खिसक गए है तो, कई वरिष्ठ ओर संगठन के पदाधिकारी लगातार भाजपा के संपर्क में होना बताए जा रहे है, जो स्थानीय चुनाव के पहले अपना पाला बदल सकते है। सूत्रों के अनुसार अब कांग्रेस अपनी जमीन बचाने के लिए संगठन में हेर-फेर करने की तैयारी में है और ब्लाक स्तर के पदाधिकारीयो को हटाकर नए लोगो को मौका देकर पार्टी की नई रूपरेखा तैयार करने की तैयारी कर रही है, जिसके लिए बैठकों का दौर शुरू होकर नए-पुराने नेताओ की संगठन में परिवर्तन के लिए सहमती भी जता चुके है।

वर्तमान ब्लाक अध्यक्ष भाजपा के संपर्क में, नही कर रहे पार्टी के लिए काम

मिली जानकारी अनुसार कांग्रेस के वर्तमान पेटलावद ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस की सरकार गिरने के बाद से कांग्रेस पार्टी से दूरी बनाकर सक्रिय राजनीति को विराम दे चुके है, बताया जा रहा है। ब्लाक अध्यक्ष अपनी पत्नी को पेटलावद मार्केटिंग का अध्यक्ष बना चुके है और इस सीट को बचाने के लिए सत्ताधारी दल के नेता उन पर पार्टी बदलने तक का दबाव बना रहे है। सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता भी भाजपा से जुड़ी पोस्ट और नेताओं पर ज्यादा रहती है जिसके चलते पेटलावद ब्लाक में कांग्रेस संगठन में परिवर्तन अब संभावित हो चुका है।

लगातार गिर रहा है कांग्रेस का ग्राफ

बात करे कांग्रेस नेतृत्व कि तो, पेटलावद में शुरू से ही कांग्रेस का जनाधार कम है स्थानीय नगर परिषद के पिछले कई चुनावों में कांग्रेस तीसरे नम्बर पर ही रह रही है, वही बड़े चुनावों में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफहोता रहा है। कांग्रेस का मुख्य गढ़ ग्रामीण क्षेत्र रहा है जहां अब भाजपा सेंध लगा रही है, संगठन की दृष्टि में कांग्रेस विपक्ष भाजपा से कोसो दूर है, सरकार बनने के बाद कांग्रेस को वापसी का मौका मिला था लेकिन वो भी हाथ से निकल गया, दूसरी और कांग्रेस कार्यकर्ताओ का लगातार पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी कर रहा है।

इन नामो पर चर्चा, ब्लाक अध्यक्ष को पार्टी में बनाए रखने की चुनौती

पेटलावद विकास खण्ड में कांग्रेस में नेतृत्व की भारी कमी है, वर्तमान में कांग्रेस के पास कोई बड़ा चेहरा नही है, कांग्रेस के विधायक वालसिंह मैडा द्वारा अपने कुछ करीबियों के बीच घिरे रहने के कारण कई नेताओं ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना रखी है, ऐसे में संगठन को मजबूत करने के लिए ब्लॉक स्तर पर परिवर्तन भारी भी पड़ सकता है। हालांकि जिन नामो पर चर्चा चल रही है उनमें वरिष्ठ नेता दिलीप भंडारी, सुरेश मुथा। युवा चेहरों में बामनिया के कांग्रेस ब्लाक महामंत्री कयूम शेख, रायपुरिया सरपंच सुखराम और रायपुरिया ग्राम पंचायत के उप सरपंच महेंद्र प्रताप सिंह, पेटलावद शहर कांग्रेस अध्यक्ष जीवन ठाकुर के नामो पर चर्चा हो रही है, इनके अलावा भी कई कांग्रेसी नेता इस पद के लिए दावेदारी में है लेकिन सरकार में नही होने के कारण नेता आगे नही आ रहे है।

जीवन ठाकुर

सुखराम मैडा

कय्यूम शेख

महेंद्र प्रताप सिंह

दिलीप भंडारी

सुरेश मुथा

जिला नोडल अधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लिया जायजा

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

जिले में कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयारियां जोरों पर है, पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन लगाई जाएगी टीके के लिए लिस्ट अनुसार स्वास्थ्य कर्मियों व महिला बाल विकास के कर्मचारियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, इन्हीं लोगों को चिन्हित कर वैक्सीन लगाई जाएगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगी पर जिला मलेरिया कोविड-19 वैक्सीनेटर नोडल अधिकारी डीएस सिसोदिया ने केंद्र पर पहुंचकर सारी तैयारियो के साथ टीकाकरण कक्ष, पंजीयन कक्ष, सुरक्षा कक्ष, अवलोकन कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरबीएफ कोऑर्डिनेटर सुभाष बंजारे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगी एमओ डॉक्टर सुरेश कटारा, बीईई विवेक मरकाम आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

कुप से मिला महिला का शव

माही की गूंज, थांदला। नगर से 4 किलोमीटर दूर ग्राम बड़ा जुलवानिया में पूर्व सरपंच रमेश के कुएं में महिला का शव मिला। थाना प्रभारी नरेश निनामा ने बताया कि, ग्रामीणों की सूचना पर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी व स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से निकाला गया मृतका की शिनाख्त घड़ी पति दुल्ला खड़िया (48) के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि, महिला शराब पीने की आदी थी, जिसके कारण यह घटना घटी घटित हुई है।

युवाओं को कौन कर रहा है गुमराह

माही की गूंज, थांदला। माही भट्ट

आधुनिक भारत के सपनों को साकार करने में अपना तन-मन न्योछावर करने वाले स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि, युवा देश की रीढ़ है जिन्हें अनुशासन में रखकर संस्कारवान बनाया जा सकता है, किंतु आजादी के 70 वर्ष बीत जाने के बाद भी स्वामी विवेकानंद का सपना साकार नहीं हुआ। युवा आज आधुनिकता की चकाचौंध से ग्रस्त होकर शनै-शनै नशे की गिरफ्त में पड़कर स्वयं का भविष्य अंधकारमय कर परिवार के अरमानों को ध्वस्त कर रहा है।

क्षेत्र युवा शहरी परिवेश के तर्ज पर शराब, गांजा, ड्रग्स व सफेद पाउडर के नाम पर बिकने वाले नशीले पदार्थ आदि का सेवन कर अपराध की ओर अग्रसर हो रहा है, जिससे युवा बेरोजगार बनकर घर-परिवार से रुपए न मिलने पर छोटी-छोटी वारदात की ओर अग्रसर हो रहा है। बीते वर्ष कोराना काल में अपराधों का ग्राफकम था, किंतु जुलाई के बाद अगस्त से संक्रमण कम होने के बाद अंचल में लगातार बढ़ती वारदात पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है, हालांकि कई वारदातों को पुलिस ने ट्रेस कर अपराधियों को जेल भी पंहुचाया है, वहीं प्रशासनिक अधिकारी अपराध, नशीले पदार्थ विक्रेताओं, नशे बाजों को चिन्हित करने की बात कह रही है।

इंदौर के कई मादक पदार्थ विक्रेताओं व गुंडे-बदमाशों के निवास को जेसीबी से ध्वस्त किया है ताकि युवा अपराध की ओर न बड़े किंतु स्थानीय स्तर पर यह बात लागू नहीं होती है। नशा विक्रेता युवाओं को गुमराह करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं, स्थानीय पुलिस के वर्षो से पदस्थ जवानों को यह भी पता है कि, क्षेत्र के किस भाग में गांजे की खेती होती है व कोन गांजा बेचता है। नशेबाज व विक्रेताओं के विरुद्ध पुलिस कब मुहिम चलाकर उन्हें सबक सिखा पाएगी या उनसे उनसे मिलीभगत कर युवाओं को और खोखला करने पर आमदा होगी यह देखने का विषय है।

पूर्व एसडीएम पंचोली ने दुकान निर्माण को बताया था गलत, नही दी किसी भी प्रकार की अनुमित

पूर्व एसडीएम मालवीय ने पैसों के लिए गिरा दी पद की गरिमा, आपत्ती के बाद भी कर दिया ले-आउट स्वीकृत

मामलाः बामनिया में विवादित एवं एमपीआरडीसी की भूमि पर दुकान निर्माण का

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

कहते है ''पैसा भगवान नही लेकिन भगवान से कम भी नही'', ग्राम पंचायत बामनिया के मुख्य चौराहे पर बनी दुकानो का मामला भले ही हाईकोर्ट में चल रहा है, लेकिन स्थानीय स्तर पर कागजो में हुए हेरा-फेरी और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मामला केवल अवैध निर्माण का नही होकर आफदी-रिकॉर्ड शासकीय और एमपीआरडीसी की भूमि बेचकर आम जनता के जीवन को खतरे में डालने का भी है। बामनिया पंचायत के विवादित सर्वे नंबर 144 की भुमी मामले में नित्य नए-नए प्रमाणित दस्तावेजों के साथ में खुलासे समाचार पत्रों में किए जा रहे हैं, जिसमें भ्रष्ट कार्यशैली की पहचान बनाने वाले तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद मालवीय जो वर्तमान में झाबुआ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के पद पर पदस्थ है उनके कार्यकाल के भ्रष्टाचार के चौंकाने वाले खुलासे प्रमाणित दस्तावेजों के साथ मे हो रहे है।

पैसों की माया के आगे सब नतमस्तक, निर्माण की अनुमति के लिए पंचायत की और से एसडीएम मालवीय ने लिखा पत्र

किसी भी निर्माण की अनुमति के लिए निर्माण एजेंसी को निर्माण संबंधित कार्रवाई पूर्ण करनी होती है, लेकिन अधूरे दस्तावेजो के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंची ग्राम पंचायत को तत्कालीन एसडीएम मालवीय ने बिचौलिया बनकर हर सम्भव मदद की और निर्माण एजेंसी को निर्माण के लिए ले-आउट स्वीकृत कर दिया। संभवतः राजस्व पेटलावद का ये पहला ममला है जब एसडीएम स्तर के अधिकारी ने किसी निर्माण के लिए निर्माण की अनुमति देने की बजाए ले-आउट की अनुमति दे दी, जबकि ग्राम पंचायत ने निर्माण के लिए प्रक्रिया को पूर्ण किया ही नही था। तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद मालवीय द्वारा 27 फरवरी 2020 को कार्यालय पेटलावद से एमपीआरडीसी इंदौर-धार को ग्राम पंचायत की विवादित दुकान निर्माण की अनुमति देने के लिए पत्र लिखा गया, पत्र में तत्काल पत्र प्राप्त होने के साथ अनुमति प्रदान करने के निर्देश एमपीआरडीसी को दिए गए थे, जो नियम विरुद्ध है क्योंकी जिस किसी निर्माण एजेंसी को अनुमति प्राप्त करनी है तो उसके द्वारा ही संबंधित विभाग को अनुमति के लिए पत्र जारी किया जाता है। लेकिन ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा एमपीआरडीसी से अनुमति नहीं मांगी गई एवं गलत तरीके से राजस्व पेटलावद के अधिकारी द्वारा यह कृत्य किया गया, जो नियम विरुद्ध एवं पंचायती राज अधिनियम 1994 का उल्लंघन संबंधित अधिकारी द्वारा किया गया।

16 अप्रेल 2018 को एसडीएम हर्षद पंचोली ने एमपीआरडीसी की भुमी पर व सुरक्षा के दृष्टिगत दुकानो का नक्शा व कार्य अस्वीकृती का आदेश पारीत किया।

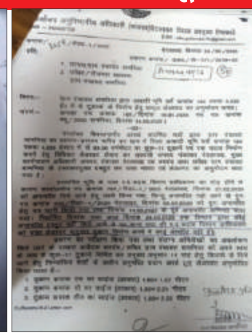

अधिकार का दुरूपयोग कर एसडीएम मालवीय 28 मई 2020 को ले-आउट का किया अनुमोदन।

नहीं मिली थी एमपीआरडीसी से कोई अनुमति फिर भी जारी कर दिए फर्जी ले-आउट

मामला एमपीआरडीसी की अनुमति से ही जुड़ा था तो एमपीआरडीसी की अनुमति होनी थी, लेकिन तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद मालवीय द्वारा 28 मई 2020 को पत्र क्रमांक 1258 ले-आउट संबंधित एक ले-आउट आदेश जारी किया गया था, जिसमें बताया गया कि, प्रस्तावित भूमि के पास मध्य प्रदेश सड़क विभाग प्राधिकरण का रोड होने के कारण कार्यालयीन पत्र क्रमांक 761 रीडर/1/2020/पेटलावद 27 फरवरी 2020 को अनापत्ति दिए जाने हेतु जारी किया गया, किंतु अनापत्ति नहीं आने से पुनः पत्र जारी किया गया। संबंधित विभाग एमपीआरडीसी इंदौर-धार से अनापत्ति प्रस्तुत नहीं किए जाने से यह माना गया है कि, मध्य प्रदेश सड़क विभाग प्राधिकरण को उक्त ले-आउट अनुसार दुकान निर्माण करने में कोई आपत्ति नहीं है और इसी को आधार बनाकर अधिकारी द्वारा ले-आउट के लिए आदेश दिए गए, जो नियम विरुद्ध थे, क्योंकि ले-आउट का अधिकार सिर्फ और सिर्फ जनपद पंचायत पेटलावद उपयंत्री का तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद में किया जाना था। संबंधित अधिकारी को केवल और केवल निर्माण कार्य संबंधित आदेश जारी करने थे जो अधिकारी द्वारा नहीं किए गए एवं अपने पद का दुरुपयोग ले-आउट के आदेश देकर किया गया जिसकी शिकायत लोकायुक्त भोपाल को अलग से की जा रही है।

एमपीआरडीसी ने पत्र में अनुमति देने से किया था इंकार

एसडीएम कार्यालय पेटलावद ने 27 फरवरी 2020 को अपने पत्र क्रमांक 761 में बामनिया दुकान निर्माण करने को लेकर अनुमति चाही गई थी, तत्पश्चात मध्य प्रदेश रोड प्राधिकरण लिमिटेड इंदौर-धार द्वारा अपने पत्र क्रमांक 3263/ 9 मार्च 2020 को तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को आदेश जारी किए थे कि, उक्त प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद द्वारा बामनिया में स्थित शासकीय भूमि सर्वे नंबर 144 में व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पूर्व में अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा गया, जिस पर कार्यालय द्वारा आवेदनकर्ता को अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए 9 मार्च 2020 को प्रकरण एम्स के माध्यम से ऑनलाइन प्रेषित करने के लिए लेख किया गया था। पत्र के माध्यम से तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद को लिखा था, किंतु राजनीतिक दबाव और आर्थिक लाभ के कारण अनुविभागीय अधिकारी ने सारे नियमों को ताक में रखकर मध्य प्रदेश रोड प्राधिकरण लिमिटेड धार-इंदौर 9 मार्च 2020 को लिखे गए पत्र की जानकारी छुपाई गई एवं तत्कालीन अधिकारी द्वारा भ्रष्टाचार का मकड़जाल बुना जिसकी चपेट में छोटे-मोटे व्यवसाई आ गए हैं।

एक एसडीएम ने नही दी अनुमति, दूसरे ने निकाल दी गली

राजस्व विभाग में लेन-देन कर मामले निपटाने का ये कोई पहला मामला नही है, कहते है ''जिसकी लाठी उसकी भैंस'' उसी तर्ज पर ग्राम पंचायत बामनिया का ये काम भी हुआ है। पंचायत ने इससे पूर्व भी तत्कालीन एसड़ीएम (आईएएस) हर्षल पंचोली के समक्ष दुकान निर्माण की फाइल रखी थी लेकिन एसडीएम हर्षल पंचोली ने ट्राफिक समस्या और निर्माण स्थल रोड के आस-पास की भूमि के लिए शासन की तय गाइडलाइन के दायरे में होने के कारण निर्माण की अनुमति देने से मना कर दिया था। लेकिन पंचोली के स्थान्तरण होने के बाद पंचायत ने फिर से दाव खेला और इस बार राजस्व विभाग की इमेज के हिसाब से सेटिंग की जिसमें जिस कार्यालय से कार्य रुका वहीं पर दूसरे अधिकारी ने कार्यालय में पदभार ग्रहण कर नियम विरुद्ध जाकर भी कार्य कर दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपई के नाम को खराब कर कैसे खड़ा हुआ भ्रष्टाचार का मार्केट जल्द करेंगे खुलासा गूंज की कलम से...

पुलिस को मिली सफलता, चोरी गई कार को जालौर राजस्थान से की बरामद

माही की गूंज, अलिराजपुर।

9 जनवरी की रात में शहर के मुख्य मार्ग एमजी रोड से घर के बाहर खड़ी टवेरा कार क्रं. एमपी 09 बीडी 6633 अज्ञात बदमाश चुराकर ले गए। फरियादी चंद्रकांत पिता जगदीशचन्द्र पाठक निवासी अलीराजपुर की सूचना पर थाना कोतवाली पर अपराध धारा 379 भादवि दर्ज की गई थी। एसपी द्वारा गठित पुलिस टीम मुखबिर की सुचना पर अलीराजपुर से चोरी गई कार को 6 सौ किमी दूर से मय आरोपी भरतसिंह पिता प्रेमसिंह रावणा राजपुर निवासी राजपुतो का वास, गुडारमा तहसील आहोर जिला जालोर (राज.) से बरामद की गई।

रतलाम से लेकर भोपाल तक गरमाई सियासत

खड़ी फसल पर चला प्रशासन का बुल्डोजर, रोते बिलखते रहे किसान प्रशासन ने एक ना सुनी

भाजपा नेता केके सिंह कालूखेड़ा बोले कार्रवाई न्याय उचित नही है

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

अतिक्रमण के नाम पर प्रशासन ने ग्राम रियावन के खेतों में लहलहा रही करीब 20 बीघे की लहसुन, गेहूं, सरसों समेत अन्य फसलों को रौंद दिया। फोन लगाने के बावजूद अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं रोकी, तो रात 9 बजे किसान नेता समर्थकों को लेकर कलेक्टोरेट में धरने पर बैठ गए।

रात में ही गांव से भी प्रभावित किसान वहां पहुंचे। किसानो का कहना है कि, करीब 40 हजार रुपए प्रति बीघा खर्च करके फसल लगाई। मेहनत पर ही प्रशासन ने एक्सप्रेस-वे कंपनियों के बुलडोजर व ग्रेडर ले जाकर चला दिए।

ग्राम रियावन में रानीगांव मगरे पर शासकीय भूमि है, जहां कुछ किसानों ने अतिक्रमण किया हुआ है, ये हर साल यहां फसल बौते हैं। इस बार भी 100 बीघा से ज्यादा में कई गरीब किसानों ने फसल बोई। पिपलौदा नायब तहसीलदार चंदन तिवारी, पटवारी उमेश रावल, कालूखेड़ा थाना प्रभारी विजय सनस दल बल के साथ मौके पर पहुंचे, जिन्होने एक जेसीबी और एक ग्रेडर मशीन से खेतों में खड़ी फसल रौंद दी। किसान, उनकी पत्नी व बच्चे गुहार लगाते रहे लेकिन किसी ने नहीं सुनी। दो घंटे में फसल नष्ट कर टीम रवाना हो गई। किसान भंवरलाल जमादार की दो बीघे की लहसुन, 2 बीघे के गेहूं, कृष्णदास बैरागी की तीन बीघे के गेहूं, चना, सरसों, नानालाल परमार के 5 बीघा के गेहूं, बंशीलाल टांक की चार बीघे, मंगलदास बैरागी व मुकेश दास बैरागी की 4 बीघे के गेहूं समेत अन्य फसलों को रौंद दिया।

इन किसानों का कहना है कि, महंगे भाव के बीज खरीदे। हंकाई-जुताई, सिंचाई, दवाई, निंदाई-गुड़ाई सहित करीब 30 से 40 हजार रुपए प्रति बीघा खर्च कर फसल लगाई। अधिकारियों से बच्चों ने व हमने गुहार लगाई कि फसल पकने के बाद कटाई कर जमीन छोड़ देंगे, लेकिन किसी ने एक नही सुनी।

चपरासी बना बैक मैनेजर, बैक के बहार चला रहा कमीशन का खेल

कमीशन के खेल में शासन की योजनाओं को लग रहा पलीता, बेरोजगारों को बैंक मैनेजर की मनमानी के कारण नहीं मिल रहा लोन

माही की गूंज, पेटलावद।

बेरोजगारो को लोन देकर उनको रोजगार उपलब्ध करवाने की शासन की मंशा पर पानी फिरता नजर आ रहा है। लोन देने वाली बैंक कमीशन के चक्कर मे युवाओं को लोन देने से पीछे हट रही है।

बोलासा एवं तारखेड़ी के युवाओं ने अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि, म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा बोलासा में जुन 2020 में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अलग-अलग व्यवसाय हेतू प्रकरण बनाकर उद्योग विभाग झाबुआ में प्रकरण जमा किया था, जहां से हमारा प्रकरण स्वीकृत होकर म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा बोलासा में आ गया था और बैक के बताए अनुसार समस्त दस्तावेज व कागजी कार्रवाई पूर्ण कर पुर्व बैंक मेनेजर निनामा को जमा करवा दिए थे, पूर्व मैनेजर के कहने पर शिकायतकर्ता लोकेश व किशन ने बाजार से कर्ज लेकर 1-1 लाख रूपए की एफ्डी और 10-10 हजार रूपए टिकीट खर्च के लिए खाते में डलवाने के बाद बैंक द्वारा कोटेशन और बील आदि मंगवा लिए थे। शिकायतकर्ता भेरूलाल पाटीदार ने बताया कि, लोन हेतू समस्त कागजी कार्रवाई पूर्व मेनेजर निनामा के रहते हीं कर दि गई थी, लेकिन मेनेजर निनामा का स्थानांतरण हो जाने के बाद लोन की राशि का भुगतान नही किया गया।

गुप्ता मैनेजर की मनमानी से शासन की योजना वंचित हुए बेरोजगार

ग्रामीण बैंक बोलासा के नए बैंक मेनेजर गुप्ता के बोलासा में कार्यभार संभालने के लगभग 5 माह के बाद भी आज तक लोन की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। जब भी लोन के लिए आवेदनकर्ता बैंक में लोन संबंधी जानकारी लेने जाते है तो मैनेजर गुप्ता का कहना है कि, हमारें पास कोटा नहीं है और पुराना मेनेजर तुम्हारा भुगतान नहीं कर के गया तो इसमें हम क्या करें। जैसे जवाब देकर हर बार आवेदनकर्ता को किसी न किसी बहाने से भगा दिया जाता है।

हरीश चपरासी बना बैंक मैनेजर, बहार कमीशन तय करो अन्दर होगा काम

कहते है ''चाय से ज्यादा केटली गर्म होती है'', ऐसा ही कुछ हाल बोलासा बैंक का भी है। बैंक का चपरासी हरिश बैंक में आने-जाने वाले ग्राहकों से बदसलुकी करता है और बैंक में होने वाले लोन संबंधी कार्यो के लिए हरीश के माध्यम से कमिशन लिया जाता है और जिनके द्वारा कमिशन नहीं दिया जाता है उनका कार्य हरीश चपरासी द्वारा मेनेजर को बोलकर रूकवा दिया जाता है। बैंक मैनेजर सीधे तो कोई कमीशन नही मांगता लेकिन जो भी चपरासी के हस्ते कमीशन तय कर साहब के पास जाता है वो नही अटकता। बोलासा म.प्र. ग्रामीण बैंक में मेनेजर और चपरासी के द्वारा मनमानी कर शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिलने से वंचित किया जा रहा है और हर काम के लिए वसुली कर परेशान किया जा रहा है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि, हमारे साथ व हमारे बाद अन्य लोगो द्वारा लोन के लिए जमा करवाई गई फाईल पर बैंक द्वारा लेन-देन कर उनके लोन कर दिए गए जबकि हम बेरोजगार होकर अपना व्यापार व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने के लिए लोन के लिए भटक रहे है। अब मामले की शिकायत अब एसडीएम पेटलावद को की गई है देखना है इन बेरोजगारो को न्याय मिलता है या नही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422